राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार, 30 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-337 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी को ताउम्र कैद के साथ ही एक लाख का जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत की अदालत ने पांच साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के दोषी को आज ताउम्र कारवास की सजा सनाई है। साथ ही एक लाख रूपए का जुर्माना भी किया है। कोर्ट ने पीड़ित परिवार को रु 20 लाख का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। करीब डेढ़ साल पुरानी यह घटना सूरत के हजीरा की है। हजीरा में रहनेवाले एक श्रमिक परिवार की पांच साल की बच्ची का चॉकलेट की लालच देकर मध्य प्रदेश का मूल निवासी सुजीत मुन्नीलाल साकेत नाम शख्स 20 अप्रैल 2020 अपहरण कर लिया था। जिसके बाद सुजीत ने मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था और बाद में उसके सिर पर ईंट के कई वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गया था। हांलाकि सूरत की इच्छापोर पुलिस ने दिन-रात एक कर आरोपी सुजीत

साकेत को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के जांच में कई चौंकानेवाले खुलासे सामने आए। आरोपी सुजीत साकेत विकृत मानसिकता वाला शख्स था जो मोबाइल में पोर्न वीडियो देखा करता था। पुलिस की जांच में सुजीत के मोबाइल से कई पोर्न वीडियो मिले। पुलिस ने आरोपी सुजीत साकेत के खिलाफ कोर्ट में मजबूत चार्जशीट पेश की। साथ ही 53 जितने दस्तावेजी प्रमाण भी अदालत के समक्ष पुलिस ने पेश किए। सुजीत के मोबाइल से बरामद पोर्न वीडियो और एनिमल पोर्न वीडियो महत्वपूर्ण साबित हुए। इस मामले में अलग अलग 26 जितने साक्ष्यों की गवाही ली गई। दोनों पक्षों की दलीलें खत्म होने के बाद कोर्ट ने पिछले सप्ताह आरोपी सुजीत साकेत दोषी करार देते हुए सजा के लिए 29 दिसंबर तय की थी। बुधवार को कोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या के दोषी सुजीत साकेत को ताउम्र कैद और एक लाख रूपए के जुर्माने का आदेश दिया है। साथ ही पीड़ित परिवार को रु 20 लाख मुआवजा देने भी कोर्ट ने आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद सुजीत साकेत पहले हाथ जोड़कर बैठा रहा। लेकिन जैसे ही न्यायधीश ने सजा सुनाई साकेत ने उन पर चप्पल फैंकी। हांलाकि चप्पल विटनेस बॉक्स से टकरा गई। साकेत को अपने किए पर कोई पछतावा नहीं था और वह प्रारंभ से खुद को निर्दोष बताता रहा है।

आप नेता महेश सवाणी ने तोड़ा अनशन, सरकार ने नहीं मानी मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

हेड क्लर्क परीक्षा के पेपर लीक मामले में गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा को उनके पद से हटाने की मांग को लेकर पिछले 7 दिनों से अनशन कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के नेता डॉक्टर ने भोजन या प्रवाही लेने का अनुरोध किया था। परंतु महेश सवाणी ने असित वोरा को उनके अध्यक्ष पद से हटाए जाने तक कुछ भी लेने से इंकार कर दिया था। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद आज पार्टी कार्यालय में ऋषिभारती बापु समेत संतों, आप के कार्यकर्ता और महेश सवाणी को लेकर आम आदमी पार्टी आंदोलन कर रही है। विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने भी पत्रकार परिषद में सरकार को असित वोरा को उनके पद से हटाने के लिए दो दिन का अल्टीमेटम दिया गया था। उसके बाद सड़क पर उतरने का विद्यार्थी नेता ने ऐलान किया था। हांलाकि विद्यार्थी

महेश सवाणी ने आज अपना अनशन खत्म कर दिया। महेश सवाणी आप के गुजरात प्रभारी गुलाबसिंह यादव के साथ अनशन कर रहे थे। दो दिन पहले रूटिन चेकअप के दौरान महेश सवाणी का शुगर लेवल घटने से उन्हें अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां बीते दिन ने जिनका कन्यादान किया था, उन युवतियों ने महेश सवाणी का पारणा करवाया। महेश सवाणी के साथ ही गुलाबसिंह यादव ने भी अपना अनशन खत्म कर दिया है। गौरतलब है कि हेड क्लर्क की परीक्षा के पर्चे लीक होने के बाद गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा के इस्तीफे नेता समेत आप नेताओं की मांग पर सरकार ने कोई गौर नहीं किया। जिसके बाद आप नेता अनशन पर बैठ गए और असित वोरा को हटाने की मांग करने लगे। लेकिन सरकार के टस से मस नहीं होने पर महेश सवाणी और गुलाबसिंह यादव को आज अपना अनशन खत्म करना पड़ा।

युवक ने नाबालिग लड़की को बनाया गर्भवती, पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वलसाड,समाज में आए दिन शादी की लालच देकर नाबालिग या बालिग लड़कियों के साथ शारीरिक संबंध बनाना या दुष्कर्म की आए दिन घटनाएं सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं शारीरिक संबंध बनाने की घटनाएं थम नहीं रहीं। वलसाड में ऐसी ही एक घटना सामने आई है, जिसमें एक 15 वर्षीय किशोरी के गर्भवती होने का खुलासा तब हुआ जब वह अस्पताल माहवारी नहीं होने पर जांच कराने गई थी। वलसाड के गांव में एक

को अंजाम देनेवाले दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले इसके लिए कड़े कानून भी हैं, लेकिन लोगों में जैसे कानून का कोई डर नहीं है। आज ही सूरत की एक कोर्ट ने मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के दोषी को ताउम्र कैद की सजा सुनाई है। इससे पहले बच्ची से दुष्कर्म के आरोपियों को फांसी की सजा सूरत कोर्ट में सुनाई जा चुकी है। इसके बावजूद दुष्कर्म या बहला फुसला कर युवक ने अपने ही गांव की 15 वर्षीय को किशोरी को शादी की लालच देकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। दुष्कर्म के बाद माहवारी नहीं होने पर किशोरी जांच के लिए सिविल अस्पताल गई थी। जहां उसके तीन महीने गर्भ होने का खुलासा हुआ। जिसके बाद वलसाड ग्रामीण पुलिस ने युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज की है।

बगोदरा हाईवे पर हुई दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख के मुआवजे का ऐलान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने बुधवार की सुबह अरणेज-बगोदरा हाईवे पर सुबह ट्रक और तूफान जीप के हुई दुर्घटना में मारे गए 3 विद्यार्थियों के परिजनों को 4-4 लाख रूपए का आर्थिक मुआवजा देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले विद्यार्थियों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री जबकि घायलों को रु 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने का भी निर्णय किया ह। ये दोनों सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत निधि से दी जाएगी। दुर्घटना में मारे गए और घायल लोग वलसाड जिले के वापी में आयोजित राज्यस्तरीय अंडर-19 जुडो स्पर्धा में भाग लेने के बाद राजकोट की ओर जा रहे थे। उस वक्त अरणेज-बगोदरा हाईवे पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पीछे तूफान जीप घुस गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि ट्रक से टकराते ही जीप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन विद्यार्थियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में घायलों को तुरंत एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अहमदाबाद के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां सभी घायलों का उपचार चल रहा है।

बगोदरा के निकट दर्दनाक हादसे में 3 विद्यार्थियों की मौत, 10 लोग घायल

अहमदाबाद-बगोदरा हाईवे पर सुबह ट्रक और तूफान जीप के बीच हुए दर्दनाक हादसे में तीन विद्यार्थियों की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि जीप में सवार 10 जितने लोग घायल हो गए, जिन्हें अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक छात्रा, 4 छात्र, कोच, स्कूल के खेल शिक्षक और शिक्षिका समेत अन्य एक व्यक्ति सवार था। राजकोट की ओर जा रही तूफान जीप बुधवार की सुबह अहमदाबाद-बगोदरा हाईवे से गुजर रही थी। उस वक्त बगोदरा के निकट सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पीछे तेज धमाके के साथ घुस गई।

राजकोट की विभिन्न स्कूलों के करीब 10 जितने छात्र-छात्राएं वलसाड जिले के वापी गए थे। वापी स्थित सेंट फ्रांसिस स्कूल में 26 दिसंबर को जूडो की जिला स्तरीय खेल में शामिल होने के पश्चात राजकोट के विद्यार्थी तूफान जीप में अपने घर की ओर लौट रहे थे। जीप में 6 ट्रक से टकराते ही जीप के अगले हिस्से के चीथड़े उड़ गए और उसमें सवार तीन विद्यार्थियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य 11 लोग घायल हो गए। घायलों को एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे। - प्रेमचंद

संपादकीय

हड़ताल का इलाज

नीट पीजी काउंसिलिंग में देरी के खिलाफ रेजिडेंट डॉक्टरों की कई दिनों से जारी हड़ताल व दिल्ली में विरोध-गप्रदर्शन के बाद अब देशव्यापी सेवा-बहिष्कार की घोषणा ने एक बार फिर यह उजागर किया है कि हमारा तंत्र किसी भी समस्या के प्रति तब तक उदासीन बना रहता है, जब तक कि उससे व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित न होने लगे। रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल के कारण पहले ही राजधानी के ज्यादातर बड़े अस्पतालों की सामान्य चिकित्सा सेवा सहित आपातकालीन सेवाएं प्रभावित हुई हैं, और मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस बेहद मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए कि राजधानी में इलाज के लिए देश भर से लोग आते हैं, और इनमें भी सर्वाधिक संख्या निम्न आयवर्ग या मध्यवर्ग के मरीजों की होती है, सरकार व युवा डॉक्टरों को अतिरिक्त संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। इन रेजिडेंट डॉक्टरों के कंधों पर सरकारी अस्पतालों की चिकित्सा व्यवस्था का काफी दारोमदार होता है। उन्हें नहीं भूलना चाहिए कि समाज के ये वर्ग निजी अस्पतालों में इलाज का बोझ नहीं उठा सकते। यह सही है कि सामान्य परिस्थिति होती, तो जनवरी में ही पीजी की प्रवेश परीक्षा आयोजित हो चुकी होती, और आगे की प्रक्रिया भी अपने अंजाम पर होती। लेकिन कोविड-19 के कारण पहले तो इस प्रवेश परीक्षा को कई महीनों तक टालना पड़ा और जब सितंबर में परीक्षा हुई, तो उसके बाद आरक्षण व्यवस्था में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की एक नई श्रेणी का मसला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया और फिर विलंब होता गया। एमबीबीएस कर चुके लगभग 45,000 जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर करीब एक साल से इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनकी मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट से जल्दी अनुरोध कर इस मसले को निपटाए। स्वास्थ्य मंत्री ने कुछ दिनों पहले उन्हें आश्वासन भी दिया था, मगर वह संतुष्ट नहीं कर सके। देश भर की शिक्षा व्यवस्था पर महामारी का असर पड़ा है, और मेडिकल शिक्षा इससे अलग नहीं है। शायद तंत्र में संजीदगी की कमी ने उन्हें अधीर किया है, इसलिए सरकार को फौरन उनसे संवाद करना चाहिए। एक ऐसे समय में, जब देश ओमीक्रोन को लेकर काफी सशंकित है, तब स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों और सत्ता-प्रतिष्ठान में बेहतर तालमेल की जरूरत है। देश जानता है और उसने देखा है कि हमारे सरकारी अस्पताल और डॉक्टर काफी दबाव में काम करते हैं और कोविड-19 महामारी के दौरान उनका योगदान अप्रतिम रहा। लेकिन चिकित्सक बिरादरी को भी यह याद रखना चाहिए कि जब कभी वे देशव्यापी सेवा-बहिष्कार जैसे चरम कदम उठाते हैं, तो उनके आंदोलन का नैतिक बल कमजोर पड़ता है, क्योंकि इसके सबसे बुरे शिकार गरीब लोग होते हैं। इसलिए उन्हें अपनी मांगें मनवाने या सरकार पर दबाव बनाने के लिए कोई और अभिनव तरीका अपनाना चाहिए। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट यह जानने के लिए काफी है कि उत्तर भारतीय प्रदेशों में चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति कितनी दयनीय है। ऐसे में, केंद्र व राज्य सरकारों को अतिरिक्त सक्रियता दिखानी होगी, ताकि इस क्षेत्र के संसाधनों की कमी दूर की जा सके और जो मानव संसाधन अभी उपलब्ध हैं, उनमें कोई असंतोष न पैदा हो। व्यापक जनहित में दोनों पक्षों को एक ऐसा ढांचा विकसित करना होगा, ताकि शिकायतें सड़क पर न पहुंचें।

हिंदू देह है और हिंदुत्व उसकी आत्मा, शब्द अलग पर मायने एक

– डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

आजकल हिंदू और हिंदुत्व में अंतर की चर्चा जोरों पर है। पिछले दिनों एक बड़ी राजनीतिक पार्टी के बड़े नेता ने राजस्थान की एक सभा में हिंदू और हिंदुत्व को लेकर जो ज्ञान दिया है उसे सुनकर बड़े-बड़े विद्वान और भाषाविद् भी आश्चर्यचकित हैं क्योंकि इससे पहले इन शब्दों की ऐसी ज्ञानगर्भित व्याख्या कभी पढ़ने-सुनने में नहीं आयी है। ऐसा लगता है कि हमारे विकासशील देश में राजनीति के साथ-साथ भाषा, साहित्य, इतिहास, दर्शन, विज्ञान, अर्थशास्त्र आदि सभी विषयों पर कुछ भी बोलने का एकाधिकार हमारे नेताओं ने अपने पक्ष में सुरक्षित कर लिया है। अब इन विषयों के विद्वानों की आवश्यकता नहीं रही। सारे विषय राजनीति के स्वार्थ सागर में समा गए हैं और अब जो राजनेता कहें वही अंतिम सत्य है। आश्चर्य का विषय है कि व्यक्ति से उसके व्यक्तित्व को अलग बताया जा रहा है। व्यक्ति और व्यक्तित्व-दो अलग शब्द हैं, किंतु अर्थ की दृष्टि से वे परस्पर बहुत दूर नहीं हैं। व्यक्तित्व शब्द व्यक्ति से ही बना है। व्यक्ति पहले है और व्यक्तित्व बाद में। व्यक्ति की विशेषता ही उसका व्यक्तित्व है। यही बात हिंदू और हिंदुत्व शब्द में भी सही सिद्ध होती है। हिंदुत्व रहित हिंदू वैसा ही है जैसा व्यक्तित्व रहित व्यक्ति। समाज में, सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति को नहीं व्यक्तित्व को प्रतिष्ठा मिलती है। व्यक्ति अपने विशिष्ट व्यक्तित्व के कारण ही महान कहलाता है, इतिहास में अमर होता है। व्यक्तित्व-विहीन सामान्य जन तो सृष्टि के अन्य जीवों के समान ही जीवन से मृत्यु तक की महत्वहीन यात्रा करता रहता है। इस कारण व्यक्ति के लिए व्यक्तित्व का महत्व है और हिंदू के लिए हिंदुत्व महत्वपूर्ण है ।इसी प्रकार इस्लाम और मुसलमान, ईसाइयत और ईसाई शब्द भी परस्पर भिन्न होकर भी अभिन्न हैं। हिंदू और हिंदुत्व- दोनों संज्ञा शब्द हैं। 'हिंदू' जातिवाचक संज्ञा है जो एक जाति-धर्म विशेष में जन्म लेने वाले सभी मनुष्यों का बोध कराती है ।यह संज्ञा हिंदू परिवार में जन्म होते ही व्यक्ति को स्वतः प्राप्त हो जाती है और तब तक बनी रहती है जब तक वह किसी विशेष कारणवश स्वयं इस का त्याग नहीं कर देता है। हिंदुत्व भाववाचक संज्ञा है और हिंदू धर्म में स्वीकृत मान्यताओं, परंपराओं, विश्वासों, पूजा-पद्धतियों, रीतियों एवं अन्य तत्संबंधित विशिष्ट विषयों-बिंदुओं के प्रति आस्थाजनित दृढ़ता का बोध कराती है। हिंदुत्व समस्त हिंदू समाज के प्रति गहरी रागात्मकता का भाव-बोध है। जिसने हिंदू परिवार में जन्म लिया है किंतु हिंदुओं के पर्वों, त्योहारों एवं अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं में जिसकी निष्ठा नहीं, हिंदुओं के आदर्श महापुरुषों के प्रति जिसके मन में श्रद्धा नहीं, हिंदुओं की दुर्दशा के प्रति जिसके मन में पीड़ा नहीं, और हिंदुओं पर होने वाले अत्याचारों को पढ़-सुनकर, देखकर जिसके हृदय में क्षोभ, आक्रोश और क्रोध नहीं वह हिंदुत्व विहीन हिंदू किस काम का..? पृथ्वीराज चौहान के समय से लेकर आज तक का हिंदू समाज जातिवाचक हिंदुओं की अधिसंख्यक स्थिति के बाद भी हिंदुत्व भावबोध की अल्पता के कारण सदा संकट ग्रस्त रहा है। हिंदुत्व पृथ्वीराज चौहान, राणा संग्राम सिंह, महाराणा प्रताप, दुर्गादास राठौर, छत्रपति शिवाजी ,गुरु गोविंदसिंह, बंदा बैरागी, राजा रणजीत सिंह ,महाराज छत्रसाल, नानासाहब पेशवा, रानी लक्ष्मीबाई, कुंवर सिंह, बाल गंगाधर तिलक, पंडित मदनमोहन मालवीय, विनायक दामोदर सावरकर, सुभाषचंद्र बोस, सरदार बल्लभभाई पटेल और श्यामाप्रसाद मुखर्जी की गौरवशाली बलिदानी परंपरा की ज्योति लिए आज भी संघर्षरत है जबकि हिंदुत्व भाव शून्य हिंदू जयचंद, मानसिंह, जयसिंह की भांति पहले मुगलों और अंग्रेजों की सेवा- सहायता करते हुए सत्ता सुख भोगते रहे और अब स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की बलिवेदी पर हिंदू-हितों की बलि देते हुए हिंदुओं की जड़ें खोद रहे हैं। हिंदुत्व शब्द में 'वादी' पद जोड़कर नया हिंदुत्ववादी शब्द गढ़कर उसे अलगाववादी, आतंकवादी की तरह बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। हिन्दुओं के विरुद्ध हिन्दुओं की ऐसी गतिविधियाँ हिन्दू समाज के लिए सदा दुर्भाग्यपूर्ण रहीं हैं और आज भी हैं। हिंदू और हिंदुत्व में अलगाव की कुटिल कल्पना के अनुसार महात्मा गांधी हिंदू हैं और नाथूराम गोडसे हिंदुत्ववादी। अब तक किसी भी शब्दकोश में 'हिंदुत्ववादी' शब्द देखने को नहीं मिला है। 'हिंदू' और 'हिंदुत्व' शब्द शब्दकोशों में भी हैं और व्यवहार में भी प्रचलित हैं किंतु 'हिंदुत्ववादी' शब्द हिंदुओं के गौरव और हिंदू-अस्मिता के लिए जूझने वालों को समाज में अलोकप्रिय बनाने के लिए गढ़ा गया है। वास्तव में एक राजनीतिक शिविर से उभरा यह स्वर दूसरे राजनीतिक दल की बढ़ती शक्ति को क्षीण करने के लिए की जा रही असफल कोशिश है। प्रश्न यह भी है कि एक महात्मा गांधी पर गोली दागने वाला गोडसे हिंदू नहीं है, हिंदुत्ववादी है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजधानी दिल्ली सहित देश के अनेक भागों में सिक्खों की निर्मम हत्यायें करने वाले कौन थे ?वे हिंदू थे अथवा हिंदुत्ववादी? निश्चय ही ये उसी शिविर के राजनीतिक नेतृत्व से प्रेरित लोग थे जो आज अपने प्रतिपक्षी दल के समर्थकों को हिंदुत्ववादी कहकर उन्हें आतंकवादियों की तरह कठघरे में खड़ा करना चाहते हैं। महात्मा गांधी के सत्याग्रह को लक्ष्य करके कहा जा रहा है कि हिंदू सत्य चाहता है और हिंदुत्ववादी सत्ता चाहता है। विचारणीय है कि तथाकथित हिन्दुत्ववादी गोडसे ने किस सत्ता की प्राप्ति के लिए गोली चलाई थी और इससे उसे कौनसी सत्ता की प्राप्ति हुई। प्रश्न यह भी है कि सत्य कौन नहीं चाहता? क्या हिंदुओं के अतिरिक्त अन्य सब धर्मावलंबी सत्य नहीं चाहते? वस्तुतः संसार का प्रत्येक सज्जन व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, देश का हो- सत्य अनुरागी होता ही है। जहां तक सत्ता का सवाल है- सत्ता सबको चाहिए। सत्ता राणाप्रताप को भी चाहिए और सत्ता मानसिंह को भी चाहिए किंतु दोनों के सत्ता प्राप्ति के लक्ष्य परस्पर भिन्न हैं। मानसिंह को सत्ता निजी सुखों के लिए, विलासिता के लिए चाहिए जबकि राणाप्रताप को सत्ता अपने स्वाभिमान और मानवीय गौरव की सुरक्षा के लिए चाहिए। औरंगजेब को सत्ता इस्लाम के विस्तार के लिए चाहिए, मिर्जा राजा जयसिंह को अपने राजपद की सलामती के लिए चाहिए, डलहौजी को व्यक्तिगत ऐशो आराम और अपने देश इंग्लैंड की समृद्धि के लिए चाहिए जबकि शिवाजी को सत्ता अपने अस्तित्व की सुरक्षा तथा भारतवर्ष की सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण-संवर्धन के लिए चाहिए। देश के वर्तमान सत्ता-संघर्ष में भी उपर्युक्त प्रतीक पुरुषों के चोले में आज के नेतागण भी इन्हीं अलग-अलग उद्देश्यों की सिद्धि के लिए संघर्षरत हैं। यह सही है कि प्रायः एक शब्द का एक अर्थ होता है किंतु अनेक शब्द अनेकार्थी भी होते हैं। अतः यह नहीं कहा जा सकता कि जैसे एक शरीर में एक आत्मा निवास करती है वैसे ही एक शब्द का एक ही अर्थ होता है। संस्कृत में 'पत्र' का अर्थ पत्ता और पाती है, हिंदी में 'अंक' शब्द गोद, नाटक का एक भाग, परीक्षा में प्राप्त अंक आदि अनेक अर्थ व्यक्त करता है। अंग्रेजी का 'लेटर' शब्द 'अक्षर 'और 'पत्र' दो अर्थ प्रकट करता है। इससे सिद्ध है कि एक शरीर में दो आत्माएं हों अथवा न हों किंतु बहुत से शब्द दो अर्थ अवश्य व्यक्त करते हैं तर्क दिया जा रहा है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दृष्टि से शब्द -अर्थ की व्याख्या करने का अधिकार है। यह बात तब सही हो सकती है जब व्याख्या करने वाला उस विषय का ज्ञाता हो और तथ्य तथा तर्क के धरातल पर अपना मत व्यक्त करे। अनर्गल प्रलाप करते हुए अर्थ का अनर्थ करना किसी ऐसे व्यक्ति को, जिसका कथन बहुत से लोगों को प्रभावित करता हो, शोभा नहीं देता। समाज में जिसका स्थान जितना बड़ा है उसका उत्तरदायित्व भी उतना ही अधिक है।

फसलों के लिए अमृत है मावठ की बूंदें

सुनील माथुर

उत्तरी भारत के अधिकांश हिस्सों में सर्दी की बरसात यानी की मावठ का दौर चल रहा है। आसमान से एक एक बूंद अमृत बन कर टपक रही है तो यह रबी की फसलों को नया जीवन दे रही है। हालांकि सर्दी के तेवर तीखे होने के साथ ही जन-जीवन प्रभावित होने लगा है। कोरोना के नए दैत्यावतार ओमिक्रान के कारण अवश्य चिंता बढ़ रही है। फिर भी दो राय नहीं कि राजस्थान सहित समूचे उत्तरी भारत में सर्दी की मावठ से किसानों के चेहरे खिल गए हैं। इस समय रबी का सीजन चल रहा है। अच्छे मानसून के कारण देश में रबी फसलों का रकबा बढ़ रहा है। रबी फसलों को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। खासतौर से गेहूं की फसल के लिए समय पर सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती है। राजस्थान आदि प्रदेशों में सरसों की फसल के लिए जहां पानी की आवश्यकता पूरी होगी, वहीं चने की फसल को भी बड़ी राहत मिलेगी। बागवानी फसलों में मटर, गाजर मूली आदि इससे फलेंगी-फूलेंगी। हालांकि आज गांव-गांव में बिजली उपलब्ध होने से किसान पूरी तरह तो मावठ पर निर्भर नहीं रहते पर तेज सर्दी के साथ मावठ एवं बूंदाबांदी से काश्तकारों को बड़ी राहत मिलती है। किसानों को बड़ा फायदा जहां बिजली आने की प्रतीक्षा में कड़ाके की ठण्ड में खेतों की जुताई करने से राहत मिली है, वहीं बिजली के बिल पर होने वाले खर्चे से भी प्रकृति की मावठ के कारण छुटकारा मिल गया है। मावठ की बरसात का सीधा पर्यावरणीय लाभ फसलों को मिलता है और खेत लहलहा उठते हैं। इसके साथ ही सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता नहीं होने से पानी का दोहन सीमित हो जाता है। इस तरह से देखा जाए तो मावठ की यह बरसात बहुत ही लाभकारी सिद्ध होती है। रबी फसल के समय बिजली की मांग बढ़ जाने से विद्युत वितरण निगमों को भी बिजली की व्यवस्था करने के लिए दो चार होना पड़ता है। पिछले दिनों देशव्यापी कोयला संकट के कारण बिजली निगम अभी पूरी तरह से सामान्य स्थिति में नहीं आ पाए हैं। विदेशों से आयातित कोयला भी बहुत अधिक महंगा होने से बिजली निगमों के पास दोहरा संकट हो गया है। विदेशों से आयात करने वाले निजी प्लेयर्स अब कोल इंडिया पर ही निर्भर हो गए हैं, तो इससे कोयले की मांग बढ़ गई है। किसानों को फसल के लिए समय पर बिजली उपलब्ध कराना सरकारों की प्राथमिकता होती है। यहां तक कि महंगी बिजली खरीद कर भी काश्तकारों को उपलब्ध करानी पड़ती है। इतना करने के बाद भी बिजली वितरण के समय या अन्य किसी कारण से व्यवधान के कारण किसानों का आक्रोश भी क्षेत्र में देखने को मिल जाता है।

इसलिए देखा जाए तो किसान ही नहीं अपितु सभी के लिए सर्दी की मावठ राहत लेकर आती है। सर्दी की मावठ, बून्दा-बान्दी व बरसात से फसलों को पानी मिलने से करोड़ों रुपये की बिजली की बचत हो जाती है। इसके साथ ही जल दोहन भी बच जाता है। ऐसे में सर्दी के अमृत जल मावठ का स्वागत किया जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि कड़ाके की सर्दी से जन-जीवन बुरी तरह से प्रभावित होता है। फिर कोरोना का दौर चल रहा है सो अलग। ऐसे में सर्दी से बचाव भी एक बड़ी आवश्यकता हो जाती है। इस मौसम में सर्दी जनित बीमारियां भी बढ़ती हैं और इसके साथ ही बुजुर्गों के लिए सर्दी का मौसम थोड़ा तकलीफदेह हो जाता है पर इसका हल सर्दी से बचाव के तरीके अपना कर किया जा सकता है। कहा जाता है कि सर्दी का मौसम स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छा मौसम होता है। इस मौसम में जीवंतता होती है। आप अच्छा खा-पी सकते हैं, अच्छा पहन सकते हैं। यही कारण है कि सर्दी में खान-पान पर विशेष जोर दिया जाता है। प्रकृति की मेहरबानी से सर्दी की मावठ किसानों के लिए वरदान बन कर आई है। हमें जरूर दो चार दिन की सर्दी की तकलीफ भुगतनी पड़ेगी पर अन्नदाता किसानों और देश के बिजली निगमों को निश्चित रूप से यह राहत का समय है। करोड़ों रुपये की बिजली की बचत होगी और खेतों में फसलें फल फूल सकेंगी। अरबों रुपयों का कोयला बचेगा तो किसानों की फसल पर लागत कम होगी। इस कोरोना के दौर में तो अर्थ व्यवस्था में खेती किसानी की भूमिका विशेष रूप से रेखांकित हुई है। ऐसे में प्रकृति के इस उपहार का स्वागत करना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

आज के कार्टून

वृक्षारोपण

जग्गी वासुदेव/ चालीस साल पहले, मैं जब एक फार्म में रहता था, तो देखता था कि सभी किसानों के खेतों में कुछ पेड़ जरूर होते थे। ये किसान के लिये एक तरह से बीमे जैसा था। यह संस्कृति खास तौर पर कर्नाटक में थी कि उन पेड़ों को वे अपने बेटों, बेटियों के नाम दे देते थे। जब एक बेटी के विवाह का अवसर आता था तो वे एक पेड़ काट डालते और उससे सारा खर्च निकल जाता था। अगर बेटे को उच्च शिक्षा के लिये यूनिर्वसटिी जाना होता तो एक और पेड़ से उसका भी खर्च निकल आता। खेतों पर हमेशा पेड़ होते ही थे। लेकिन 40 साल पहले रासायनिक खादों की कंपनियों ने भारत के गांवों में ऐसा प्रचार करना शुरू किया कि अगर आप खेतों पर पेड़ रखेंगे तो उनकी जड़ें सब खाद खा जाएंगी और फसल कमजोर होगी। तो उन्होंने किसानों को पेड़ काट डालने के लिये तैयार किया। ये सोच कर कि रासायनिक खादें पेड़ों पर व्यर्थ हो जाएंगी, हमने लाखों पेड़ काट दिए। आज परिस्थिति ये हो गयी है कि हमारा पानी का प्रत्येक स्रेत- चाहे जमीन के नीचे का पानी हो या नदियों का- कम हो रहा है। उसका कारण ये है कि भले ही पिछले 100 सालों से, सारे उपमहाद्वीप में, बरसात लगभग एक जैसी ही हो रही है, पर पेड़ों के न रहने से जमीन के अंदर पानी को रोक कर रखने की हमारी क्षमता समाप्त हो गयी है। जब बरसात होती है तो पानी रुकता नहीं, बह जाता है और बाढ़ आ जाती है। और फिर जब बरसात खत्म हो जाती है तो सूखा पड़ जाता है। यदि आप आज के जल संकट के बारे में विचार करें तो 1947 में, देश में प्रति व्यक्ति जितना पानी था, आज उसका 25त्न ही उपलब्ध है। यह प्रगति नहीं है। यह तो कोई विकास नहीं है। तमिलनाडु के कई शहरों में बहुत समय से ऐसा हो रहा है कि लोग तीन दिनों में एक ही बार नहाते हैं। तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सारा पानी बह कर तेजी से नदियों में न पहुंच जाए। यह करने का एक ही रास्ता है कि हमारी जमीन पर ज्यादा से ज्यादा पेड़ हों। यह कोई रॉकेट विज्ञान नहीं है। यह मेरा मुख्य उद्देश्य हो गया है। मैं सारे विश्व को, संयुक्त राष्ट्र संघ को, केंद्र सरकार को, राज्य सरकारों को यही कह रहा हूं। बड़े बांध, रोधी बांध, बराज ये सब पानी के उपयोग के लिये ठीक हैं पर आप इनसे पानी की मात्रा नहीं बढ़ा सकते। जमीन के अंदर पानी को रोकने का सिर्फ एक ही तरीका है- पेड़ लगाना। इसीलिये, हमनें कावेरी पुकारे अभियान शुरू किया है।

सू-दोकू नवताल -2004

2	8				3			
4	7			8	6		9	1
		5		9		2	3	
	9		5	2		4	8	6
5								3
8	6	1		7	4		5	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

सू-दोकू -2003 का हल

1	8	5	3	2	7	4	9	6
2	9	7	5	6	4	3	8	1
6	3	4	9	8	1	2	7	5
5	4	1	6	9	3	8	2	7
3	2	6	1	7	8	5	4	9
8	7	9	2	4	5	6	1	3
9	5	3	8	1	2	7	6	4
4	1	8	7	3	6	9	5	2
7	6	2	4	5	9	1	3	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2004

1		2			3		4	5	
				6	7				
	8		9		10		11		12
13									
					14	15		16	
17		18				19			
20					21				
		22		23			24		25
	26					27			
28			29					30	

बायें से दायें:-

1. 'चलो इक बार फिर से अजनबी बन जाएं' गीत वाली सुनील दत्त, माला सिन्हा की फिल्म-4
4. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'पंख होते जो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत और संध्या की फिल्म-6
10. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'आंखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है आता है जाता है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-5
14. 'बम चिकी चिकी बम' गीतवाली फिल्म-2
18. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की फिल्म- 4
20. 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म 'कोहराम' की नायिका कौन थी ?-2
21. मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ये गलियां ये चौबारा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जिंदगी प्यार का गीत है' गीत वाली फिल्म-3
26. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली फिल्म-2
27. शाहिद कपूर, करीना कपूर अभिनीत फिल्म-2
28. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी अभिनीत फिल्म-2
29. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
30. 'सपनों का सौदागर' फिल्म की नायिका-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-2
2. फिल्म 'बेमिसाल' में अमिताभ के साथ नायिका कौन थी ?-2
3. अक्षय कुमार, रवीना, पूनम झवेर की फिल्म-3
5. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-3
7. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी देओल, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते रहे सारी रात हम' गीत वाली फिल्म-2,1,3
11. अमिताभ, वहीदा, रति अग्निहोत्री की फिल्म-2
12. फिल्म 'निकाह' के संगीतकार कौन थे-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
16. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली फिल्म-4
17. 'तेरी ये बिंदिया बोले' गीतवाली फिल्म-3
21. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
22. संजय, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-3
24. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीतवाली फिल्म-2
25. फिल्म 'हस्ती' की नायिका कौन थी ?-3
26. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'हर एक घर में दिया' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीतवाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2003

बा	बु	ल		आ	म	ने	सा	म	ने
बू		गा	य	ब		हा		स्ता	
	जा	न		रू	ल्स		कि	ना	रा
जा	ल		डॉ			मे	ला		म
	सा	व	न		आ	ह		रा	जा
न	ज	र		चां		बू	म		ने
या		दा	मा	द		बा	जा	र	
ज	मी	न		नी	तू		ल	की	र
मा	ना		रो		फा			ब	
ना		रे	ड		न	सी	ब		मां

सस्ते में हवाई यात्रा कराएगी इंडिगो

मुंबई । एयरलाइंस कंपनी इंडिगो हवाई यो त्रियों के लिए खास ऑफर लेकर आई है, जिसके तहत आप सस्ते में हवाई यात्रा कर सकते हैं। इंडिगो एयरलाइन आपको सिर्फ 1,122 रुपए में हवाई सफर करने का मौका दे रही है। इतना ही नहीं अब एक जगह से दूसरे जगह` विमान से जाना भी आसान हो जाएगा। ग्राहकों को 27 दिसंबर 2021 से 31 दिसंबर 2021 तक टिकट की बुकिंग की सुविधा दी जा रही है। बुक की गई टिकट पर आप 15 जनवरी 2022 से 15 अप्रैल 2022 तक यात्रा कर सकते हैं। इस लिंक एचटीटीपीएस÷//बीआईटीडाटएलवाय/3130जेडएमबी के जरिए अपना टिकट बुक कर सकते हैं। यह ऑफर पूरे एयरलाइन में 150 से अधिक घरेलू उड़ानों पर लागू है। इसके अलावा यात्री एयरलाइन की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर टिकट बुक कर सकते हैं। इसके अलावा इंडिगो 1,700 रुपए में भी हवाई सफर करने का मौका दे रही है। कंपनी चंडीगढ़, लखनऊ, जयपुर, इंदौर, अमृतसर, वाराणसी, जम्मू, भोपाल, श्रीनगर, अहमदाबाद, पटना, गोआ, कोच्चि, मुंबई, रांची समेत कई शहरों में सस्ता हवाई सफर करने का मौका दे रही है। इंडिगो के अलावा एयरएशिया इंडिया और स्पाइसजेट ने भी 1,122 रुपए में टिकट की पेशकश की है।

ओला इलेक्ट्रिक भारत में 4,000 से अधिक चार्जिंग पॉइंट इंस्टॉल करेगी

कस्टमर 6 महीने तक इसका फ्री में फायदा ले सकते

मुंबई । ओला इलेक्ट्रिक देशभर में 'हाइपरचार्जर के नाम से चार्चिंग नेटवर्क बनाने जा रही है।इस हाइपरचार्जर' से ओला ई-स्कूटर को 18 मिनट में 50 प्रतिशत चार्ज किया जा सकता है। कस्टमर 6 महीने तक इसका फ्री में फायदा उठा सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी आने वाले दिनों में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने जा रही है। ओला ने इसी साल अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर ओला एस 1 और ओला एस 1 प्रो को लांच किया था।कंपनी ने हाल ही में देश कुछ शहरों में इनकी डिलीवरी भी शुरू कर दी है। ओला इलेक्ट्रिक का लक्ष्य भारत में 4,000 से अधिक चार्जिंग पॉइंट इंस्टॉल करना है। हाइपरचार्जर पहले बीपीसीएल पेट्रोल पंप जैसे सार्वजनिक स्थानों पर इंस्टॉल किए जा रहे हैं। साथ ही रेजिडेंट्स कॉम्लैक्स में इन्हें स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। हाइपरचार्जर रोल आउट सभी शहरों में शुरू हो गया है।डेढ़ महीने में पूरे देश में 4000 से ज्यादा हाइपरचार्जर इंस्टॉल किए जाएंगे।ओला के सभी ग्राहक जून तक निःशुल्क इसका लाभ उठा सकते है। अक्टूबर में ओला इलेक्ट्रिक ने अपना पहला हाइपरचार्ज लांच करने की घोषणा की थी।कंपनी ने बताया था कि वह अपने 'हाइपरचार्जर' सेटअप के तहत अपने ग्राहकों के लिए चार्जिंग सपोर्ट स्थापित करेगी, जो देश के 400 शहरों में 100,000 से अधिक स्थानों / टचप्वाइंट में स्थापित किया जाएगा। ओला इलेक्ट्रिक के हाइपरचार्जर ई-स्कूटर की बैटरी को केवल 18 मिनट में 50 प्रतिशत तक चार्ज करने में सक्षम है। इससे स्कूटर एक बार चार्ज करने पर 75 किमी की हाफ रेंज तय कर सकेगा। हालांकि, ओला हर स्कूटर के साथ एक एक होम-चार्जर भी दे रही है, जिससे ग्राहक घरों पर भी अपने स्कूटर को चार्ज कर सकते है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर सिटी वाइज चार्जिंग नेटवर्क का जिक्र कर कई जगह तो लोकेशन को भी बताया है। ज्यादातर चार्जिंग स्टेशन टायर1- और टायर 2 में मौजूद हैं।

म्यूचुअल फंड्स को नहीं मिलेगी क्रिप्टो एसेट में निवेश की मंजूरी, सेबी की बोर्ड बैठक में हुआ फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी):

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की बोर्ड बैठक में कई बड़े फैसले हुए हैं। सेबी ने म्यूचुअल फंड्स को क्रिप्टो एसेट में निवेश की मंजूरी नहीं देने का फैसला किया है। इसके अलावा आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और एंकर निवेशकों की हिस्सेदारी को भी लेकर फैसला हुआ है। सेबी बोर्ड ने आईपीओ से जुड़े सुधारों को मंजूरी दी है। सेबी बोर्ड ने आईपीओ प्राइस बैंड के अपर और लोअर कीमत में 5 फीसदी का अंतर रखना जरूरी होगा। इसके अलावा गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) हैं, उसमें से 2 से 10 लाख के लिए 33 फीसदी का कोटा आरक्षित होगा, जबकि 10 लाख से ऊपर के आवेदन के लिए एनआईआई का कोटा 67 फीसदी रखा जाएगा। ये नियम 1 अप्रैल 2022 से लागू होगा।

म्यूचुअल फंड्स कंपनियों को क्रिप्टो में निवेश को मंजूरी नहीं

सेबी चेयरमैन अजय त्यागी ने कहा कि म्यूचुअल फंड्स कंपनियों को क्रिप्टो में निवेश की मंजूरी नहीं होगी। क्रिप्टो से संबंधित कंपनी या विदेशी कंपनियों में फंड्स ऑफ फंड्स के जरिए म्यूचुअल फंड्स को निवेश की अनुमति नहीं है। जब तक क्रिप्टो पर कोई पॉलिसी नहीं बनती, तब तक म्यूचुअल फंड्स का ऐसी कंपनियों में निवेश नहीं करना चाहिए। क्रिप्टो पर किसी एनएफओ को मंजूरी नही दी जाएगी।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले लोगों को देगी सस्ता आवास ऋण

नई दिल्ली: बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने बुधवार को एक नई त्योहारी पेशकश की घोषणा करते हुए कहा कि वह बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले लोगों को कम से कम 6.65 प्रतिशत की दर से आवास ऋण देगी। बजाज फाइनेंस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि उद्योग में पहली बार हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (एचएफसी) पात्र घर खरीदारों को अपने आवास ऋण की दरों को रेपो दर से जोड़ने का विकल्प दे रही है। कंपनी ने कहा कि इससे उन्हें आरबीआई की तरफ से दरों में की जाने वाली कमी का फायदा मिल सकेगा। कंपनी ने कहा कि आवास ऋण की इस घटी हुई दर का लाभ उठाने के लिए कम से कम 800 का सिबिल स्कोर होना चाहिए। हालांकि, 750 और 799 के बीच क्रेडिट स्कोर वाले भी प्रतिस्पर्धी दर पर आवास ऋण पा सकते हैं।

पीएलआई योजनाओं ने वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने में पासा पलटा: सीतारमण

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को 'पासा पलटने वाला कदम' बताते हुए मंगलवार को कहा कि इससे देश में निवेश आकर्षित करने और विनिर्माण क्षमता बढ़ाने में मदद मिली है। पीएलआई योजना की घोषणा 2021-22 के बजट में 1.97 लाख करोड़ रुपए के व्यय प्रस्ताव के साथ की गयी थी। इसमें कपड़ा, इस्पात, दूरसंचार, वाहन और औषधि जैसे 13 प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। सीतारमण ने कहा कि भारत ने उन निवेशकों को आकर्षित करने के लिए योजनाएं बनाईं जो अन्य देशों के लिए एक स्रोत पर निर्भर हुए बिना अपनी मूल्य श्रृंखला को बरकरार रखने को लेकर कुछ क्षेत्र से बाहर जाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा ''इन योजनाओं के परिणाम काफी सकारात्मक हैं। पीएलआई योजनाएं प्रमुख क्षेत्रों के लिए बनाई गईं। इसके तहत काफी प्रोत्साहनों की घोषणा की गई। इससे उन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है।'' सीतारमण ने 'एम वी कामत शताब्दी स्मृति व्याख्यानमाला' में कहा कि पीएलआई योजना की प्रकृति ऐसी है, जिससे बड़े पैमाने पर काम करने वाले लोगों को लाभ होता है। साथ ही यह घरेलू बाजार की मांग को पूरा करने के साथ अधिशेष को वैश्विक बाजार में भेजने में मदद करती है। इससे विनिर्माण और निर्यात दोनों को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा, ''इसलिए मुझे लगता है कि पीएलआई योजना कुछ भौगोलिक क्षेत्रों से भारत जैसे देशों में आने वाले उद्योगों को आकर्षित करने और घरेलू तथा निर्यात बाजार का हिस्सा होने के मामले में पासा पलटने वाली साबित हुई है।''

28 दिसंबर तक 4.86 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी):

आयकर आकलन वर्ष 2021-22 के लिए मंगलवार (28 दिसंबर) तक कुल 4,86,34,306 लाख रिटर्न दाखिल किए गए थे। आयकर विभाग ने इसका ब्योरा देते हुए बुधवार को बताया कि अकेले मंगलवार को 18,89,057 लाख आयकर विवरण प्रस्तुत किए गए। विभाग के अनुसार आकलन वर्ष 2021-22 के लिए 28 दिसंबर 2021 तक प्राप्त कल आयकर विवरणों में आईटीआर-1 की संख्या 2,57,90,850, आईटीआर-2 की संख्या 43,76,266, आईटीआर-3 की संख्या 53,27,654, आईटीआर-4 की संख्या 1,23,12,182, आईटीआर-5 की संख्या 5,53,424, आईटीआर-6 की संख्या 2,27,424 और आईटीआर- की संख्या 46,433 है। आयकर विवरण प्रस्तुत करने की अवधि इस साल बढ़ा कर 31 दिसंबर 2021 तक कर दी गई है। आईटीआर एक यानी सहज फॉर्म उन नागरिकों के लिए है, जिनकी कुल आय 50 लाख रुपए तक है, उन्हें सैलरी, एक हाउस प्रॉपर्टी एवं अन्य स्त्रोत जैसे ब्याज से आय प्राप्त होती है साथ ही साथ ही कृषि आय 5000 रुपए तक है। आईटीआर दो फॉर्म उन व्यक्तियों एवं संयुक्त अविभाजित हिंदू परिवारों के लिए है, जिन्हें किसी कारोबार से आय नहीं होती है लेकिन वे आईटीआर के लिए पात्र नहीं हैं। आईटीआर तीन उन व्यक्तियों एवं संयुक्त अविभाजित हिंदू परिवारों के लिए है, जिन्हें कारोबार या पेशे में लाभ से आय होती है। आईटीआर चार यानी सुगम आयकर फॉर्म उन व्यक्तियों, संयुक्त अविभाजित हिंदू परिवारों एवं फर्मों (सीमित दायित्व भागीदारी फर्म के अलावा) के लिए है, जिन्हें भारत के नागरिक के निवासी के तौर पर 50 लाख रुपये तक की कुल आय होती है और जिन्हें ऐसे कारोबार एवं प्रोफेशन से आय होती है। आईटीआर पांच उन व्यक्तियों और संयुक्त अविभाजित हिंदू परिवारों, कंपनी या चैरिटेबल ट्रस्ट/इंस्टीट्यूशंस के लिए है, जिनके लिए कोई और फॉर्म लागू नहीं होता है। आईटीआर छह आयकर कानून की धारा 11 के तहत छूट का दावा करने वाली कंपनियों से अलग कंपनियों के लिए है तथा आईटीआर सात कंपनियों समेत उन व्यक्तियों के लिए जिन्हें केवल 139(4ए) या 139(4बी) या 139(4सी) या 139(4डी) के तहत विवरण प्रस्तुत करने की जरूरत है।

किप्टोकरेंसी के प्रति बढ़ा युवा पीढ़ी का झुकाव, निवेश करने वाले सबसे अधिक भारत में

(एजेंसी):

दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत में भी वर्चुअल करेंसी (किप्टोकरेंसी) के प्रति युवा पीढ़ी का झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। भारत में इन मुद्राओं के भविष्य पर अनिश्चितता की तलवार लटक रही है मगर युवाओं में इसकी जरा भी परवाह नहीं दिख रही है। दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी का प्रसार 'चौथी औद्योगिक क्रांति' भी मानी जा रही है। दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार कहते रहे हैं कि क्रिप्टोकरेंसी मुख्य धारा का हिस्सा बनती हैं तो इसके 'गंभीर परिणाम' हो सकते हैं। आरबीआई चीन की तरह ही इन मुद्राओं पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना चाहता है और इन्हें निवेश का जरिया तक मानने को तैयार नहीं है। संसद की वेबसाइट पर क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक मुद्रा डिजिटल मुद्रा नियमन विधेयक सूचीबद्ध जरूर किया गया था मगर शीतकालीन सत्र में इसे पेश नहीं किया गया। भारत में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले सबसे अधिक लोग हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन मुद्राओं को लेकर अनिश्चितता बरकरार रहने के बावजूद भारत में इसकी लोकप्रियता कम होती नहीं दिख रही है। विधि कंपनी शार्दूल अमरचंद मंगलदास में पार्टनर एवं वित्त-तकनीक प्रमुख शिल्पा मानकर अहलूवालिया कहती हैं, 'क्रिप्टोकरेंसी के संबंध में आरबीआई की चिंता वाजिब है। अगर आभासी मुद्राओं को सामानांतर मुद्रा के तौर पर मान्यता दी जाती है तो देश में भुगतान प्रणाली पर प्रतिकूल असर हो सकता है।'दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी बाजार पूंजीकरण नवंबर में 3 लाख करोड़ डॉलर से अधिक हो गया था। भारतीय निवेशकों ने बिटकॉइन, इथेरियम, लाइटकॉइन आदि आभासी मुद्राओं में 1,000 करोड़ डॉलर से अधिक निवेश किए हैं। इनमें खुदरा निवेशकों की संख्या अधिक रही है। पिछले एक वर्ष में इनमें कई आभासी मुद्राओं से 100 प्रतिशत से भी अधिक प्रतिफल मिला है।आईटी उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था नैसकॉम का अनुमान है कि देश में क्रिप्टो परिसंपत्तियों में निवेश मौजूदा 6.6 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 15.6 अरब डॉलर हो जाएगा। ब्रोकरचूजर पोर्टल के अनुसार क्रिप्टोकरेंसी में 10 करोड़ भारतीयों ने निवेश किया है, जो दुनिया में सर्वाधिक संख्या है। भारत के बाद इस मामले में अमेरिका दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर है।

कोरोना काल में एप्पल इंक ने कर्मचारियों को दिया एक करोड़ का बोनस

नई दिल्ली। दुनिया की प्रमुख कंपनी एपल इंक ने अपने कुछ चुनिंदा इंजीनियरों को एक करोड़ रुपए से अधिक का स्टॉक बोनस दिया है। इसका मकसद उन्हें फेसबुक (मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक) जैसी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में जाने से रोकना है। जानकारी के मुतो बिक आईफोन बनाने वाली इस कंपनी ने सिलिकॉन डिजाइन, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और ऑपरेशंस ग्रुप के कुछ इंजीनियरों को पिछले हफ्ते बताया कि उन्हें बोनस दिया जा रहा है। उन्हें 50,000 डॉलर से 180,000 डॉलर (1.35 करोड़ रुपए) तक बोनस दिया गया है। जानकारों के मुताबिक अधिकांश इंजीनियरों को शेयर के रूप में 80,000 डॉलर, 100,000 डॉलर या 120,000 डॉलर का बोनस दिया गया है। इस बारे में कंपनी के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। सिलिकॉन वैली की टेक कंपनियों खासकर एपल और मेटा में प्रतिभावान कर्मचारियों को हथियाने की होड़ मची हुई है। पिछले कुछ महीनों में एपल के करीब 100 इंजीनियर मार्क जकरबर्ग की कंपनी से जुड़ चुके हैं। हालांकि मेटा के भी कई कर्मचारी हाल में एपल से जुड़े हैं। अगले दो साल में दोनों कंपनियों ने बड़े-बड़े लॉन्च की योजना बनाई है।

भारतीयों ने इस साल 'वर्ककेशन' का खूब आनंद उठाया: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी):

भारतीयों ने इस साल घर से दूर एक सुंदर स्थान पर काम करने यानी 'वर्ककेशन' मॉडल का जमकर आनंद उठाया। ओयो ट्रैवलोपीडिया-2021 की रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। वर्ककेशन एक तरह से काम (वर्क) और छुट्टियों (वैकेशन) का मिश्रण है, जिसमें लोग अपने घर से दूर कहीं रहकर काम करने के साथ पर्यटन का भी आनंद ले सकते हैं। दरअसल, 2020 में आई कोरोना वायरस महामारी के कारण यात्रा और पर्यटन क्षेत्र के बंद होने से लोगों को घर में रहने पर मजबूर होना पड़ा था, जो काफी समय से बाहर घूमना चाह रहे थे। उनमें से कई प्रतिबंध हटने के बाद पर्यटन स्थलों पर चले गए और वहीं से ऑनलाइन अपना काम भी शुरू कर दिया। भारत में लगभग 65 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पिछले छह महीनों में यात्रा की है और उनमें से अधिकांश ने अपने प्रियजनों से मुलाकात की, जबकि कुछ ने अपनी दैनिक दिनचर्या को छोड़कर छुट्टियां बिताने के लिए यात्रा की। ओयो के साल के अंत के चौथे वार्षिक सूचकांक-ओयो ट्रैवलोपीडिया-2021 के अनुसार, ''इस वर्ष के दौरान लगभग 48 प्रतिशत भारतीयों ने घर से काम किया, जिनमें से 85 प्रतिशत ने वर्ककेशन पर काम करना या घर से दूर एक सुंदर स्थान से काम करने को अपनी पसंद बताया। इनमें से 61 प्रतिशत ने वर्ककेशन पर रहकर काम किया।'' दिलचस्प बात यह है कि लगभग 27 प्रतिशत लोग महीने भर वर्ककेशन पर रहे। साथ में काम और यात्रा करने की इस पहल के लिए लोगों के पसंदीदा स्थानों की सूची में पहाड़ी क्षेत्र शीर्ष स्थान पर हैं। इसके बाद कई लोगों ने अपने गृहनगर और समुद्र तट से जुड़े स्थलों की यात्रा की और वहां अपना काफी समय बिताया। यह सर्वे भारत, इंडोनेशिया और यूरोप सहित कंपनी के कुछ प्रमुख बाजारों में इसके उपयोगकर्ता आधार के बीच यात्रा के इरादे और अपेक्षाओं का अध्ययन करने के लिए इसी महीने किया गया। इसमें लगभग 3,000 लोगों की प्रतिक्रियाएं ली गईं। ओयो ट्रैवलोपीडिया-2021 की रिपोर्ट में पाया गया कि बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान के साथ भारतीयों के बीच यात्रा की इच्छा बढ़ी है और उनका आत्मविश्वास फिर से वापस लौटा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। इससे बाजार में पिछले दो दिनों से जारी तेजी रुक गयी है। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही एचडीएसी बैंक, एसबीआई और आईटीसी के शेयरों में मुनाफावसूली से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 90.99 अंक करीब 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,806.49 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 19.65 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी नीचे आकर 17,213.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा एक फीसदी से अधिक की गिरावट भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में रही। इसके अलावा आईटीसी, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, कोटक बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी नीचे आये हैं। वहीं दूसरी ओर सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, डॉ. रेड्डीज और बजाज फिनसर्व के शेयरों को लाभ हुआ है। जानकारों के अनुसार, वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच ही घरेलू बाजार में पूरे कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव बना रहा। ओमीक्रोन संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच भारत में भी महाराष्ट्र और दिल्ली में कुछ प्रतिबंध लगाये गये हैं पर बाजार पर इसका ज्यादा प्रभाव नजर नहीं आया।

आर्थिक पुनरुद्धार, बेहतर उत्पादन से 2022 में उपभोक्ताओं की जेब पर अधिक बोझ नहीं डालेगी महंगाई

(एजेंसी):

खाद्य तेल, ईंधन और कई अन्य जिंसों की बढ़ती कीमतों की वजह से इस वर्ष उपभोक्ताओं की जेब पर बहुत भार पड़ा है लेकिन आने वाले महीनों में महंगाई के मोर्चे पर कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के विनाशकारी झटकों से हिली अर्थव्यवस्था अब पुनरुद्धार के मार्ग पर है, लेकिन वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के सामने आने के बाद सुधार के पटरी से उतरने का खतरा पैदा हो गया है। वर्ष 2021 उपभोक्ताओं के लिहाज से खराब रहा है, बढ़ती कीमतों के अलावा लोगों को आय, रोजगार में कमी और कारोबार में नुकसान का सामना करना पड़ा। जिंस (विनिर्मित हो या प्रसंस्कृत), परिवहन तथा रसोई गैस, सब्जी-फल, दाल एवं अन्य वस्तुओं की कीमतें कच्चा माल महंगा होने के कारण बढ़ गईं। हालांकि, अच्छी बात यह है कि धीरे-धीरे आर्थिक पुनरुद्धार हो रहा है। कई विनिर्मित कच्चे माल की उच्च लागत का भार उत्पादकों ने उपभोक्ताओं पर डाल दिया जिसके कारण थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में अब तक के सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई जबकि खुदरा मुद्रास्फीति भी अधिक रही। इस वर्ष खाद्य तेलों के दाम भी 180-200 रुपए लीटर पर पहुंच गए। विश्लेषकों और विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च मुद्रास्फीति बनी रहेगी। हालांकि, आर्थिक वृद्धि में धीरे-धीरे सुधार और सामान्य मानसून के कारण अच्छी फसल की संभावनाएं आगे चलकर कीमतों को कम करने में मदद करेंगी। रिजर्व बैंक रेपो दर की समीक्षा के लिए खुदरा मुद्रास्फीति को मुख्य कारक के रूप में देखता है। उसका अनुमान है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति अगले वर्ष की पहली छमाही में करीब पांच प्रतिशत रहेगी। जनवरी, 2021 में खुदरा मुद्रास्फीति चार फीसदी से कुछ अधिक थी और इस वर्ष यह दो बार छह प्रतिशत को लांघ चुकी है। हालांकि, नवंबर में यह पांच प्रतिशत से नीचे आ गई। दूसरी ओर, थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में 14.23 फीसदी के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। 2020 में यह 2.29 फीसदी थी। सेंट्रल ऑर्गेनाइजेशन फॉर ऑयल इंडस्ट्री एंड ट्रेड (सीओओआईटी) के चेयरमैन सुरेश नागपाल ने कहा कि बढ़ती कीमतों को काबू में करने के लिए सरकार ने कच्चे और परिष्कृत खाद्य तेलों पर आयात शुल्क कई बार घटाया।

एएआई को सभी बकाया का भुगतान किया: एयरएशिया इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी):

एयरएशिया इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को सभी बकाया का भुगतान कर दिया है और विमानन कंपनी सितंबर 2021 से देय तारीखों पर ऋण शर्तों के अनुसार सभी भुगतान कर रही है।

एएआई के आंतरिक दस्तावेजों के अनुसार एएआई को एयरएशिया इंडिया का बकाया बढ़कर अक्टूबर 2021 में 3.58 करोड़ रुपए हो गया, जो जनवरी 2020 में 1.47 करोड़ रुपए था। विमानन कंपनियों को एयर नेविगेशन, लैंडिंग और पार्किंग के लिए एएआई के हवाई अड्डों पर सुविधाओं का इस्तेमाल करने के लिए भुगतान करना पड़ता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत आने वाले एएआई के हवाई अड्डों की संख्या 100 से अधिक है। एयरएशिया इंडिया के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया, ''हमने एएआई के साथ समझौते के अनुसार अपने सभी बकाया का भुगतान कर दिया है। हम सितंबर से देय तारीखों पर ऋण शर्तों के अनुसार सभी भुगतान कर रहे हैं और आज तक कोई बकाया नहीं है।'' प्रवक्ता ने कहा कि परिचालन लागत हमेशा उड़ानों की संख्या और उड़ान भरने वाले यात्रियों की संख्या के अनुपात में बढ़ती है। उन्होंने कहा, ''सितंबर से आज तक हमने हवाई अड्डा प्राधिकरण की नीति के अनुसार तय तारीखों पर 59 करोड़ रुपए का भुगतान किया है।'' एएआई के दस्तावेजों के मुताबिक भारत की छह प्रमुख घरेलू विमानन कंपनियों- इंडिगो, स्पाइसजेट, गोएयर, एयरएशिया इंडिया, एयर इंडिया और विस्तारा - पर एक जनवरी, 2020 तक एएआई का 2,306.59 करोड़ रुपए बकाया था। दस्तावेजों के मुताबिक ये बकाया 31 अक्टूबर, 2021 तक 14.29 प्रतिशत बढ़कर 2,636.34 करोड़ रुपए हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

द्रविड़ ने परंपरा के अनुसार घंटी बजाकर खेल शुरु कराया

सेंचुरियन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलापफ खेले जा रहे पहले टेस्ट में बड़ा सम्मान मिला है। मैच के चौथे दिन की शुरुआत द्रविड़ ने परंपरा के मुताबिक बेल (घंटी) बजाकर की। इसके बाद ही खेल शुरु हुआ। विश्व के कई स्टेडियम में इस परंपरा को निभाया जाता है। इसके तहत दिन का खेल शुरू होने से पहले कोई सम्मानित व्यक्ति बेल बजाता है और फिर आगे का खेल शुरू होता है। द्रविड़ के लिए ये दौरा और भी अहम है क्योंकि इस बार वह भारतीय टीम के मुख्य कोच के तौर पर गये हैं। एक खिलाड़ी के तौर पर द्रविड़ ने दक्षिण अफ्रीका में कुल 11 टेस्ट मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने 624 रन बनाए हैं और इस दौरान उनका औसत 30 से भी कम रहा है। यहां पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन कर मेजबान टीम पर अपना शिकंजा कस दिया है।

भारतीय फुटबॉल टीम के लिए बेहतरीन रहा साल 2021

नई दिल्ली (एजेंसी)।

साल 2021 में भारतीय फुटबॉल टीम का शानदार प्रदर्शन रहा है। टीम के कई खिलाड़ियों ने अपने बेहतर प्रदर्शन से कई उपलब्धियां हासिल कीं, जिससे उन्होंने इस वर्ष खूब सुर्खियां भी बटोरी हैं। 2021 में सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम मालदीव में आठवां सैफ चैंपियनशिप खिताब जीतने के बाद चीन में होने वाले एएफसी एशियन कप 2023 के लिए सीधे क्वालीफाई करने में नाकाम रही। नई चुनौतियों के साथ 2022 भारतीय फुटबॉलरों का इंतजार कर रहा है क्योंकि देश अक्टूबर में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी करने के लिए तैयार है। सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफायर में खेलेगी। सुनील छेत्री, संदेश झिंगन, मनीषा कल्याण और बाला देवी जैसे भारतीय फुटबॉल के दिग्गजों ने अपने करियर को परिभाषित करने वाली स्क्रिप्ट को इस साल फिर से लिखा है। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब बेंगलुरु एफसी के कप्तान सुनील छेत्री मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बने और इतिहास की किताबों में अपना नाम अंकित किया, जबकि मनीषा कल्याण ब्राजील टीम के खिलाफ गोल करने वाली पहली भारतीय बनीं। वहीं, पंजाब के 20 वर्षीय मिडफील्डर को एआईएफएफ इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला। 37 वर्षीय छेत्री को इससे पहले पद्म श्री पुरस्कार और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। अपने 19 साल के लंबे करियर में, छेत्री ने 125 मैचों में 80 अंतरराष्ट्रीय गोल किए हैं और वर्तमान में अर्जेंटीना के महान लियोनेल मेस्सी के साथ सक्रिय फुटबॉलरों में सर्वकालिक गोल करने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं, जिसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो 115 गोल के साथ आगे चल रहे हैं। सर्वश्रेष्ठ सेंटर-बैक में से एक झिंगन ने क्रोएशियाई शीर्ष-फ्लाइट क्लब एचएनके सिबेनिक में अपना नाम सुरक्षित किया है। झिंगन ने इस दौरान उच्च स्तर मैचों में खेलने के लिए यूरोप जाने का फैसला किया। महिला टीम की स्ट्राइकर बाला देवी स्कॉटिश साइड रेंजर्स के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद सुर्खियों में आईं हैं। वह यूरोपीय फुटबॉल में गोल करने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बाला देवी को महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर पुरस्कार से भी सम्मानित किया है। आठवें एसएएफएफ चैम्पियनशिप खिताब के उच्च स्तर के बाद, यह भारतीय पुरुष टीम के लिए निराशाजनक प्रदर्शन था, क्योंकि वे एएफसी एशियाई कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने में विफल रहे। राष्ट्रीय टीम ने दुबई में ओमान और संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ 12 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। जहां तक भारतीय क्लबों का सवाल है, वे दो प्रमुख लीग- इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और आई-लीग में खेलने में व्यस्त हैं।

आईएसएल में एटीके मोहन बागान ने लीग के सबसे सफल कोच एंटोनियो हबास को मिड-सीजन में कई हार झेलने के बाद बर्खास्त कर दिया गया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में अश्विन का जलवा, रोहित-कोहली पहुंचे इस स्थान पर

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा विश्व रैंकिंग में गेंदबाजों और ऑलराउंडरों की सूची में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा। रविंद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। रोहित शर्मा और कप्तान विराट कोहली ने भी बल्लेबाजों की सूची में क्रमशः पांचवां और सातवां स्थान बरकरार रखा है। रोहित के 797 और कोहली के 756 अंक हैं। बल्लेबाजों की सूची में आस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन (915 अंक) शीर्ष पर काबिज हैं। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट (900) दूसरे स्थान पर हैं जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन (879) ने स्टीव स्मिथ (877) को तीसरे स्थान से हटा दिया है। रोहित, डेविड वार्नर, कोहली, दिमुथ करुणारत्ने, बाबर आजम और ट्रैविस हेड शीर्ष 10 में शामिल हैं। टेस्ट गेंदबाजों में अश्विन शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। वह 883 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। आस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिन्स शीर्ष पर काबिज हैं जबकि पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी तीसरे स्थान पर हैं। उनके बाद टिम साउदी और और जेम्स एंडरसन का नंबर आता है। आस्ट्रेलिया की तरफ से मेलबर्न टेस्ट में पदार्पण करने वाले स्कॉट बोलैंड ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में सात रन देकर छह विकेट लिए थे जिसके दम पर उन्होंने 271 रेटिंग अंक हासिल किए और 74वें स्थान पर जगह बनाई। ऑलराउंडरों की सूची में जैसन होल्डर शीर्ष पर हैं। उनके बाद अश्विन, जडेजा, शाकिब अल हसन, मिशेल स्टार्क और बेन स्टोक्स का नंबर आता है। टेस्ट टीम रैंकिंग में भारत 124 अंक के साथ चोटी पर है। न्यूजीलैंड दूसरे, आस्ट्रेलिया तीसरे और इंग्लैंड चौथे स्थान पर है।

आईटीएफ विश्व टूर :आदिल, साई कार्तिक और ऋषि रेड्डी एकल मुख्य ड्रॉ में

दोहा (एजेंसी)

तीन भारतीय टेनिस खिलाड़ियों तीसरी वरीयता प्राप्त आदिल कल्याणपुर, साई कार्तिक रेड्डी और दूसरी वरीयता प्राप्त ऋषि रेड्डी मंगलवार को छठे कतर पुरुष आईटीएफ विश्व टेनिस टूर 2021 के अपने-अपने अंतिम क्वालीफाइंग राउंड में जीत के साथ एकल मुख्य ड्रॉ में पहुंच गए। आदिल और साई कार्तिक ने जहां तीन सेटों के कड़े संघर्ष में क्रमशः सातवीं वरीयता प्राप्त सर्बिया के दुसान राजिक को 7-6 (5), 3-6, 10-3 से और जर्मनी के स्टीवन पोपोविक को 6-3, 3-6, 10-8 से हराया। वहीं ऋषि ने 10वीं वरीयता प्राप्त जर्मनी के जिमी यांग को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से धूल चटाई। उल्लेखनीय है कि अन्य भारतीय खिलाड़ियों ऋषभ अग्रवाल और जावला देव को मुख्य ड्रॉ में सीधे प्रवेश मिला है।

आईसीसी महिला वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए नामित खिलाड़ियों में एक भी भारतीय नहीं

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को महिला श्रेणी में 'वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए नामित खिलाड़ियों की घोषणा की, जिसमें एक भी भारतीय खिलाड़ी शामिल नहीं है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट, दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लिजेल ली, वेस्ट इंडीज की ऑलराउंडर हेले मैथ्यूज और पाकिस्तान की युवा ऑलराउंडर फातिमा सना को नामित किया गया है। ब्यूमोंट ने इस वर्ष 11 मैचों में 62.87 की औसत से 503 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वह 2021 में वनडे मैचों में संयुक्त रूप से दूसरी सर्वाधिक रन बनाने बनाने वाली खिलाड़ी भी बनी हैं। भारतीय कप्तान मिताली राज ने भी इस वर्ष वनडे में 503 रन बनाए हैं। ब्यूमोंट ने साल के अपने पहले चार वनडे मैचों में लगातार चार अर्द्धशतक बनाए थे। वह हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ली ने 11 मैचों में 90.28 की औसत से एक शतक और पांच अर्धशतकों के साथ 632 रन बना कर कैलेंडर वर्ष में वनडे प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। इस वर्ष मार्च में भारत दौरे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 288 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। इतना ही नहीं उन्होंने सर्वाधिक रन स्कोरर रहते हुए सीरीज समाप्त की थी और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' बनीं थी। वेस्ट इंडीज ऑलराउंडर मैथ्यूज ने 14 मैचों में 29.23 के औसत से एक शतक और एक अर्धशतक की बदौलत 380 रन बनाए हैं। इसके अलावा 3.33 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट भी उनके नाम हैं।

इसके अलावा युवा पाकिस्तानी खिलाड़ी सना ने 13 मैचों में 24.90 की औसत से 20 विकेट लिए हैं। उन्होंने एक मैच में पांच विकेट भी लिए थे। वह बल्ले और गेंद के साथ शानदार रही हैं। जून-जुलाई में घर से दूर वेस्ट इंडीज दौर पर अपने आखिरी वनडे मैच शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार जीता था। मेजबान वेस्ट इंडीज के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में 11 विकेटों के साथ वह दूसरी सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं थी। उन्होंने बाद में नवंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज और आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर में भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी।

संक्षिप्त समाचार

शास्त्री, हरभजन और कैफ ने शमी को सराहा

मुम्बई । टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा की है। शमी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन टेस्ट के तीसरे दिन पांच विकेट लेने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे किये हैं। शमी की इस उपलब्धि पर शास्त्री ने ट्वीट किया, शाबाश, शमी देख के मजा आया। बिरयानी, दो दिन के बाद मेहनत का फल भगवान खुश रखे। शास्त्री के अलावा भारतीय सीमित ओवरों की टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी शमी की तारीफ की है। उन्होंने ट्वीट किया, दोहरा शतक विशेष नंबर है। शास्त्री और रोहित शर्मा के अलावा दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने भी शमी को सराहा है। उन्होंने ट्वीट किया, वेल डन शमी, 200 टेस्ट विकेट, दमदार गेंदबाजी की। वहीं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने लिखा, शमी दुनिया के सबसे अंडर रेटेड गेंदबाज हैं। भाई को हल्के में मत लेना, ये तो हैवी ड्राइवर है। शमी में बुमराह, एंडरसन, कमिंस जैसे ही गुण हैं। शमी ने सेंचुरियन टेस्ट के तीसरे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए 44 रन देकर 5 विकेट लिए। शमी ने दूसरी बार पहली पारी में 5 विकेट लिए हैं। वो 200 विकेट लेने वाले 11वें भारतीय और पांचवें तेज गेंदबाज हैं। उनका स्ट्राइक रेट टेस्ट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले अनिल कुंबले , कपिल देव से भी अच्छा है।

ईसीबी पारंपरिक चयन समिति बहाल करे : बेल

मेलबर्न । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान बेल ने कहा है कि टीम चयन के लिए पारंपरिक चयन समिति वाली प्रणाली ही सही है, इसलिए उसे फिर बहाल करना चाहिये। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बदलाव के तहत ही इसी साल पारंपरिक चयन समिति की प्रणाली को समाप्त कर दिया था। बेल ने कहा कि अब एशेज श्रृंखला में जिस प्रकार टीम को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है उससे एक बार फिर से पारंपरिक चयन समिति का महत्व समझ आ रहा है। अंतिम मुख्य चयनकर्ता एड स्मिथ अप्रैल तक मुख्य चयनकर्ता रहे थे। उसके बाद से ही मुख्य कोच क्रिस सिल्वरहुड ही राष्ट्रीय टीमों का चयन कर रहे हैं। वह टेस्ट कप्तान जो रूट और सीमित ओवरों के कप्तान इयोन मोर्गन की सलाह से टीम चयन करते हैं। बेल ने कहा कि मुझे चयन समिति समाप्त करने का फैसला सही नहीं लगा। सिल्वरहुड मुख्य कोच के साथ ही चयनकर्ता भी हैं और ऐसे में खिलाड़ी कोच को बता नहीं पाते हैं कि उन्हें किस जगह पर परेशानी आ रही है। सभी प्रकार के पफैसले एक ही व्यक्ति के हाथ में होना ठीक प्रणाली नहीं हैं। बेल ने कहा कि चयनकर्ता ओर अंतिम मुख्य चयनकर्ता का प्रमुख वह होना चाहिए जो ड्रेसिंग रूम का हिस्सा नहीं हो और रोजाना खिलाड़ियों से बात नहीं करता हो और उनसे भावनात्मक रुप से जुड़ा न हो।

साल 2021 में कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी टीम इंडिया

मुम्बई (एजेंसी) ।

विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम के लिए साल 2021 अच्छा नहीं रहा और टीम एक भी आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी जबकि भारतीय टीम को अवसर मिले थे। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंम्पियनशिप के फाइनल में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वह केवल ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत पायी । महेंद्र सिंह धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद से ही विराट को टीम की कमान मिली थी पर वह टीम को एक भी आईसीसी खिताब नहीं जिता पाये। ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व में भी भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पायी। इसके बाद विराट ने टी20 की कप्तानी छोड़ दी। वहीं बीसीसीआई ने समित ओवरों में एक ही कप्तान बनाने के लिए विराट को एकदिवसीय कप्तानी से भी हटा दिया और उनकी जगह रोहित शर्मा को टी20 और एकदिवसीय का नया कप्तान बना दिया। इसका एक कारण यह भी रहा कि विराट बल्लेबाजी के दौरान उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पाये। एक साल से अधिक समय से वह शतक नहीं लगा पाये हैं।

भारत ने इस साल ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी सीरीज जीती। यह जीत इसलिये भी अहम थी क्योंकि खिलाड़ियों की चोटों के कारण इस सीरीज में युवा खिलाड़ी शामिल थे। विराट निजी कारणों से इस सीरीज से बाहर थे। ऐसे में कप्तानी आजिंक्य रहाणे कर रहे थे। एडीलेड टेस्ट में 36 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम ने जिस तरह वापसी करके श्रृंखला जीती, उसे क्रिकेट जगत ने जमकर सराहा । ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया 33 साल बाद कोई टेस्ट हारा। इसके बाद विराट की कप्तानी में भारतीय टीम विदेश में एक और सीरीज जीतने के करीब थी पर कोरोना महामारी के कारण इंग्लैंड में पांचवां और आखिरी टेस्ट रद्द करना पड़ा। भारत सीरीज में 2-1 से आगे रही। इसका रद्द हुआ टेस्ट नये साल में खेला जाएगा। भारत अगर श्रृंखला जीत लेता है तो इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने वाले कोहली पहले एशियाई कप्तान बन जाएंगे। पिछले साल की ही तरह इस साल भी कोरोना महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर अस्त व्यस्त रहा।

इयान बेल ने की चयन समिति बहाल करने की मांग, कहा- कोच ईमानदारी से नहीं बता पा रहे परेशानी

मेलबर्न (एजेंसी)।

एशेज श्रृंखला में करारी हार के मद्देनजर पूर्व बल्लेबाज इयान बेल का मानना है कि इंग्लैंड को टीमों के चयन के लिए पारंपरिक चयन समिति बहाल करनी चाहिए। करीब सौ बरस बाद बदलाव की प्रक्रिया में इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने चयन समिति खत्म कर दी। तीन साल तक पद पर रहने के बाद अप्रैल में एड स्मिथ आखिरी मुख्य चयनकर्ता के रूप में विदा हुए। उसके बाद से मुख्य कोच क्रिस सिल्वरहुड राष्ट्रीय टीमों का चयन कप्तान जो रूट और इयोन मोर्गन की सलाह से करते हैं। बेल ने कहा कि मुझे चयन समिति खत्म करने का फैसला काफी कठोर लगा। क्रिस सिल्वरहुड मुख्य कोच और चयनकर्ता भी हैं और ऐसे में खिलाड़ी कोच को ईमानदारी से कैसे बता सकेगा कि मुझे खेल के इस पहलू में परेशानी पेश आ रही है क्योंकि वही सारे फैसले लेने वाले हैं। इंग्लैंड के लिए 118 टेस्ट और 161 वनडे खेल चुके बेल ने कहा कि चयनकर्ता वह होना चाहिए जो ड्रेसिंग रूम का हिस्सा नहीं हो और रोजाना खिलाड़ियों से बात नहीं करता हो। उन्होंने कहा कि चयन समिति का प्रमुख वह होना चाहिए जो ड्रेसिंग रूम के बाहर रहता हो। वह जज्बाती तौर पर सभी खिलाड़ियों से जुड़ा नहीं हो या रोजाना उनसे बात नहीं करता हो।

आई लीग पर कोरोना का साया, सात खिलाड़ी पाए गए पॉजिटिव

कोलकाता । आई लीग फुटबॉल बुधवार को कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गया जब विभिन्न टीमों के कई खिलाड़ी बायो बबल में रहने और खेलने के बावजूद पॉजिटिव पाए गए। समझा जाता है कि दस से अधिक लोग संक्रमित पाए गए हैं जिनमें कम से कम 7 खिलाड़ी हैं। रीयल कश्मीर एफसी के पांच, मोहम्मद स्पोर्टिंग और श्रीनिधि डेक्कन एफसी का एक एक खिलाड़ी मंगलवार को हुई जांच में पॉजिटिव पाया गया है। लीग के एक सूत्र ने बताया, 'रीयल कश्मीर के पांच खिलाड़ी और तीन अधिकारी और मोहम्मडन स्पोर्टिंग तथा श्रीनिधि डेक्कन एफसी का एक एक खिलाड़ी पॉजिटिव पाया गया है।' लीग की आपात बैठक आज शाम चार बजे बुलाई गई है ताकि इसे जारी रखने या रद्द करने पर फैसला लिया जा सके।

2021 भारतीय हॉकी के लिए एक नया सवेरा लेकर आया: मनप्रीत सिंह

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीत का श्रेय टीम की एकता को दिया है। मनप्रीत ने बुधवार को एक बयान में कहा कि ओलंपिक में हमारी सफलता के पीछे टीम की एकता सबसे बड़े कारणों में से एक थी। ओलंपिक में सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह थी कि हम एक टीम के रूप में बहुत करीब आ गए थे और इसने सच में ओलंपिक के दौरान हमारी मदद की। खिलाड़ियों के बीच ऐसा विश्वास बन गया था, जिसने टीम के माहौल को बहुत सकारात्मक बना दिया और इसने हमें मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया। कप्तान ने उतार-चढ़ाव से भरे इस यादगार वर्ष के बारे में कहा कि 2021 बेशक चुनौतियों और उतार-चढ़ाव से भरा था, लेकिन जिस तरह से हमने ओलंपिक गौरव को वापस लाने के लिए हर बाधा को पार किया, उस पर मुझे बहुत गर्व है। यह सच है कि 2021 भारतीय हॉकी के लिए एक नया सवेरा लेकर आया है। यह एक ड्रीम ईयर रहा है। 29 वर्षीय मनप्रीत ने कहा कि यह चार नहीं, बल्कि पांच साल की कड़ी मेहनत थी। हमने शिविर में पूरा एक साल बिताया, जीवन के नए मानदंडों के अनुकूल होने की कोशिश में हमारी पूरी जीवनशैली बदल गई है, हमने बायो-बबल में जीवन जीना शुरू कर दिया है, इसलिए निश्चित रूप से यह कहूंगा कि मैदान के बाहर भी काफी चुनौतियां थीं। उल्लेखनीय है कि टोक्यो ओलंपिक खेलों 2020 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीत के बाद भारतीय टीम ढाका में हाल ही में संपन्न एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2021 में एक रोमांचक मैच में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 4-3 से हराकर तीसरे स्थान पर रही थी। इसके अलावा एफआईएच द्वारा हाल ही में घोषित विश्व रैंकिंग में भारत को तीसरा स्थान मिला है, जो 2003 में रैंकिंग की शुरूआत के बाद से भारत की सर्वोच्च रैंकिंग है। कप्तान ने इस बारे में कहा कि हमने अपने प्रशंसकों से वादा किया है कि हम उन्हें फिर से गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहेंगे। हमारा लक्ष्य स्पष्ट रूप से इस पदक का रंग बदलना है और हम यह भी जानते हैं कि इसे करने के लिए क्या करना होगा। हमने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के साथ नए चक्र की शुरुआत की है। अब हमें यहां से सुधार करते रहना होगा। हमारे पास आगे एक चुनौतीपूर्ण शेड्यूल है और हम इसके लिए तैयार हैं।

एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं रोहित

राहुल को मिल सकती है कप्तानी

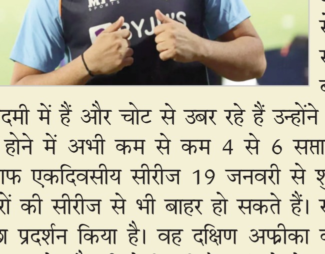

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के बाद एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं। ऐसे में टीम की कप्तानी लोकेश राहुल को मिल सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मैचों की सीरीज तक शायद ही पूरी तरह से फिट हो पायें। ऐसे में रोहित की अनुपस्थिति में राहुल को कप्तानी दी जा सकती है। राहुल को हाल की मैच एकदिवसीय टीम के लिए उप-कप्तान बनाया गया था। रोहित इस समय बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं और चोट से उबर रहे हैं उन्होंने शुरुआती फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है पर उन्हें पूरी तरह से फिट होने में अभी कम से कम 4 से 6 सप्ताह का समय और लग सकता है जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज 19 जनवरी से शुरू होगी जिसका अर्थ है कि जिससे साफ है कि वह सीमित ओवरों की सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं। राहुल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वह दक्षिण अफ्रीका की धरती पर टेस्ट शतक लगाने वाले भारत के दूसरे सलामी बल्लेबाज बने और तीसरे दिन विकेट गंवाने से पहले 123 रन बनाए।

इतिहास प्रसिद्ध इस्तांबूल

नैसर्गिक एवं प्राकृतिक सौन्दर्य की अनुपम छटा बिखेरती सूर्यरश्मियां, बफार्नी पहाडियां, समुद्रीतट व झीलों के नयनाभिराम परिदृश्यों से पर्यटको को लुभाता, दो महाद्वीपों के आलिंगन में बंधा राष्ट्र टर्की? भारत से यूरोप जाते समय टर्की रास्ते में पडता है, बिना किसी अतिरिक्त किराये के आप इसकी राजधानी अंकारा एवं प्रसिद्ध नगर इस्तंबूल के भमण की सुखद अनुभूति कर सकते है।

बोसफोरस की संकरी जल प्रणाली दोनो महाद्वीपो के मध्य सीमारेखा के रूप मे विद्यमान है, किन्तु टर्की का अधिकांश भू भाग एशिया महाद्वीप के अर्न्तगत पडता है। बोसफोरस के एक तरफ यूरोपियन इस्तंबूल का पुराना शहर है जो पर्यटको के आर्कषण का केन्द्र है। इस्तंबूल का दूसरा भाग नया शहर है, जो पाश्चात्य तरीके का व्यवस्थित उपनगर है। बोसफोरस के ऊपर दो आकर्षक पुल हैं। फातिह सुल्तान मुहम्मद पुल तथा बोस्फोरस पुल। बोस्फोरस पुल विश्व का सबसे बडा झूले पर आधारित पुल है । बोसफोरस की यह खूबसूरत नहर पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र है। सूर्यास्त के सुंदर चित्रों के लिये प्रसिद्ध दृश्यों वाली इस नहर पर दिन में अनेक प्रकार की नावों द्वारा नौकाविहार की व्यवस्था है किन्तु एकांत में शांत पानी को देखते रहने का सुख भी कुछ कम नहीं।

प्राकृतिक सौन्दर्य के आनंद को दुगना करने के लिये बोसफोरस के तट पर स्थित रेस्त्राओं मे हर प्रकार का भोजन मिलता है और इनकी साज सज्जा व चहल पहल देखते ही बनती है। शाकाहार के प्रेमियों के लिये थोड़ी कठिनाई ज़रूर होती है पर भूख मिटाने के लिये कुछ न कुछ मिल ही जाता है।

सूर्यास्त के समय बोसफोरस के जल पर झिलमिलाती लालिमा और दूसरे तट पर स्थित इमारतों की प्रतिछाया का मोहक दृश्य देखकर लगता है कि शताब्दी पूर्व इन्हीं दृश्यों के लिये इस विलक्षण स्थान पर इमारते बनायी गयी होंगी। बोसफोरस नहर पर दृश्यावलोकन यहाँ के ढाई हजार वर्ष पुराने स्मारक टर्की के सुदूर गौरवमयी अतीत के साक्षी देते हैं।संसार के प्रसिद्ध ऐताहासिक नगरों में इस्तंबूल की गणना होती है। समय के साथ साथ इस्तंबूल का नामकरण होता रहा , परन्तु आज भी इसे यूरोप और एशिया के संगम के रूप में जाना जाता है। विभिन्न प्राकृतिक परिदृश्यों के कारण यहाँ एक दिन में ही आप तीनों ऋतुओं का आनन्द उठा सकते हैं, जहाँ एक ओर अप्रैल की तीक्ष्ण गर्मी वहीं बैगनी पुष्पों से आच्छादित सम्पूर्ण नगर मनोहारी लगता है।

12लाख लोगो के जनसंकुल और कोलाहल ने इस शहर को चित्ताकर्षक बना दिया है। वास्तव में इस्तंबूल की मिश्रित संस्कृति, राजप्रासाद, संग्रहालय, चर्च, विशाल मस्जिद, बाजार और प्राकृतिक दृश्यों का सौन्दर्य अनन्त प्रतीत होता है। नगर के बीच स्थित विशालकाय स्टेडियम 'हिप्पोड्रोम' इस्तांबूल का एक जीवंत परिसर है। यह विशाल मनोरंजन का क्षेत्र आज घुडदौड, रथदौड, सर्कस, प्रर्दशनी एवं सभी प्रकार के मनोरंजन का केन्द्र बन गया है।

बस से जाते समय अया सोफिया का बाहरी हिस्सा बहुत आर्कषक नही लगा लेकिन अन्दर पहुँचने पर विस्मयकारी लगता है। इसकी विलक्षणता देखकर स्वमेव ही लगता है कि बाइजन्टाइन स्थापत्य कला कितनी विकसित थी। इस चर्च का 105 फुट घेरे वाले गुम्बद की गणना विश्व के सबसे बडे एवं खूबसूरत गुम्बदों में की जाती थी, जब तक रोम के सेन्ट बेसिलका का निमार्ण नही हुआ था। कानस्टेनटाइन के द्वारा बनाये गये चर्च को 1453 में ओटोमन ने मस्जिद के रूप में परिवर्तित करा दिया था। बाद में टर्की गणतन्त्र के संस्थापक अतातुर्क मुस्तफा कमाल ने इसे संग्रहालय के रूप मे प्रतिष्ठित कर दिया। हकीका सोफिया का कलात्मक गुंबद समुद्र तट पर थोडी उँचाई पर एक बहुत बडे घेरे के अन्दर निर्मित टोपकपी पैलेस तक अया सोफिया से पहुँचने में 5 मिनट लगते हैं ,जहाँ इस्तंबूल का अत्यन्त ऐताहासिक परिदृश्य आपका स्वागत करता है। सभी ओटोमन सुल्तानों ने इसे अपनी स्थापत्य कल्पनाओं के अनुरूप अलंकृति करते रहे हैं।यहाँ पर संग्रहीत शाही वस्तुओं को देखने से टर्की के ओटोमन सुल्तानों की विलासता एवं वैभव की स्पष्ट झलक मिलती है।

गौरवशाली ग्वालियर

ग्वालियर का किला भारतीय इतिहास के उस महत्वपूर्ण काल-खंड में, जिसे मध्ययुग कहते हैं, अनेक ऐसे ग्रन्थ लिखे गए जिनमें उस प्रमुख भू-भाग की, जिसे मध्यदेश कहा जाता था, बोली-ठोली, साहित्य, कला, संस्कृति, प्रथा-परम्पराओं, चिन्तन-मनन, आचार-विचार, व्यवहार आदि की पर्याप्त जानकारी मिलती है।

ग्वालियर का महत्व केवल इसी कारण नहीं है कि यह एक अति प्राचीन नगर है बल्कि इसलिए है कि भारतीय इतिहास के हर काल-खंड में यह एक प्रमुख सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में जगमगाता रहा है। साहित्य, संगीत, काव्य, चित्रकला, स्थापत्य, शिल्प, हस्तकला आदि सभी में ग्वालियर ने अपनी बुलंदियों की वजह से सारे जहां में नाम रौशन किया है।

ग्वालियर एक दूसरे से मिली हुई तीन शहरी आबादियों से निर्मित हैं। पहला है प्राचीन नगर ग्वालियर। दूसरा है लश्कर, जिसे सन् 1800 के लगभग महाराजा दौलतराव सिंधिया ने अपनी राजधानी और निजी सेना के कैंप के लिए बड़े चाव से निर्माण किया था। तीसरा है मुरार, जो किले के पूरब में हैं और इसे अंग्रेजों द्वारा सैनिक छावनी के रूप में उपयोग किया जाता था। सिंधिया राजाओं द्वारा बनवाई गई देशी-विदेशी स्थापत्य शैलियों की शानदार और भव्य इमारतों से सजा बहुत खूबसूरत शहर और मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण व्यावसायिक एवं व्यापारिक केन्द्र हैं।

ग्वालियर के समीप ऐतिहासिक कस्बा आंतरी है। तानसेन के प्रथम संगीत गुरू गोविंद स्वामी यहीं के थे, दरबारे- अकबरी का एक चमकीला रत्न यानी अबुल फज़ल चिर निद्रा में यहां सो रहा है। पन्द्रहवीं शती तक मध्यप्रदेश का संगीत इतना विकसित तथा प्रसिद्ध हो चुका था कि ग्वालियर की तान और मुल्तान की कमान जैसी लोकोत्तियां लोगों की जबान पर चढ़ गई थीं। यही वह जमाना था जब संगीत-सौन्दर्य व कलारसिक राजा मानसिंह की संगीत सभा ग्वालियर दुर्ग पर अपनी पूरी आन-बान व शान के साथ जमती थी। इसी संगीत सभा में ध्रुवपद यानी ध्रुपद का जन्म हुआ।

अब आइए, ग्वालियर के किले की ओर चलें जहां कभी राजा मानसिंह की संगीत सभा जुड़ती थी और गीत-संगीत की सुरीली स्वर लहरियों से ज़मीन-आसमान झूमते थे। ग्वालियर किले का निर्माण कब और किसने कराया इसे लेकर जो किंवदंतियां हैं उनमें प्रमुख यह है कि किसी ज़माने में कच्छवाहा राजा सूर्यसेन कोढ़ से पीड़ित था। मृगया-विहार करता वह इस इलाके में आ निकला। यहां उसकी भेंट इस पहाड़ी पर तपस्यारत ऋषि गालव, जिनका उल्लेख ग्वालिय नाम से भी मिलता है, से हुई। उनकी कृपा-दृष्टि से सूर्यसेन रोगमुक्त हो गया और उसी ने गालव ऋषि के नाम पर ग्वालियर के किले का निर्माण कराया और जो बस्ती आबाद की उसका नामकरण किया ग्वालिआवर। यही बाद में ग्वालियर नाम से मशहूर हो गया।

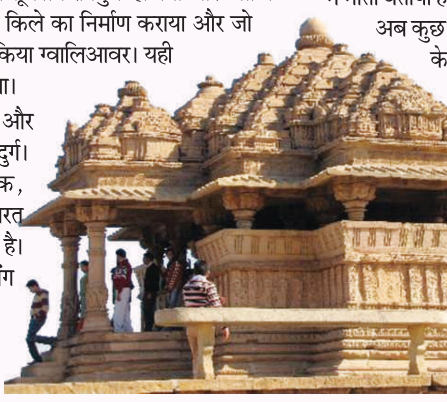

भारत के सुप्रसिद्ध, अजेय और प्रमुख किलों में से एक हैं ग्वालियर दुर्ग। इसका प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक और सामरिक महत्व भारत के तमाम दुर्गों में अप्रतिम व अद्वितीय है। उत्तर से दक्षिण तक 1 मील 6 फर्लांग लंबी, 300 फुट ऊंची और 600 से लेकर 2,800 फुट तक चौड़ी बलुआ पत्थर की पहाड़ी के एक समतल बनाये गए किले में स्थित महल मान मंदिर शिखर भाग पर, 35 फुट ऊंची सुदृढ़ दीवारों से निर्मित यह आज भी सर बुलन्द खड़ा है। यही वह खूबसूरत किला है जिसे विद्वानों ने उत्तर भारत के तमाम किलों में सबसे मनोरम माना व बताया है। मुगल बादशाह बाबर ने इसे हिन्दुस्तान के अन्य किलों में मोती बताया है। कभी यहां अनेक मंदिर थे जिनमें से अब कुछ ही दर्शनीय रह गए हैं। ग्वालियर नगर के किला-गेट से जब हम भीतर प्रवेश कर मुख्य द्वार की ओर बढ़ते, ढलवां चढ़ाई चढ़ते हैं तो दाहिनी और चट्टानी कन्दराओं में बनी कुछ गुफाएं नज़र आती है। यह कभी जैन-साधकों की ध्यान-साधना के उपयोग में आती थीं। कुछ और चढ़ाई चढ़ने पर रास्ते के दाहिनी तरफ पहाड़ी के कदमों में खिड़की जैसी नज़र आती है। भीतर झांकने पर पता चलता है कि जल भंडारण की क्या बढ़िया कुदरती ढकी हुई व्यवस्था है।

किले के मुख्य द्वार में प्रवेश करने के बाद सबसे पहले विशाल मान मंदिर हमारा स्वागत करता है। यह राजा मानसिंह ने बनवाया था। इसके अन्तर्गत कभी बेहद खूबसूरत छः आलीशान महल थे। इसी के बगल में हैं मानसिंह की परिणीता रानी मृगनयनी का महल-गूजरी महल।

इसके तहखाने व शीशमहल आज भी अपनी खामोशी में न जाने कितनी रंगीन दास्तानें छुपाए हुए हैं। गूज़री महल स्थित राजकीय संग्रहालय में प्राचीन मूर्तियों व प्रस्तर-प्रतिमाओं का बहुत बढ़िया संग्रह हैं।

जहाँ तीन महासागर मिलते हैं

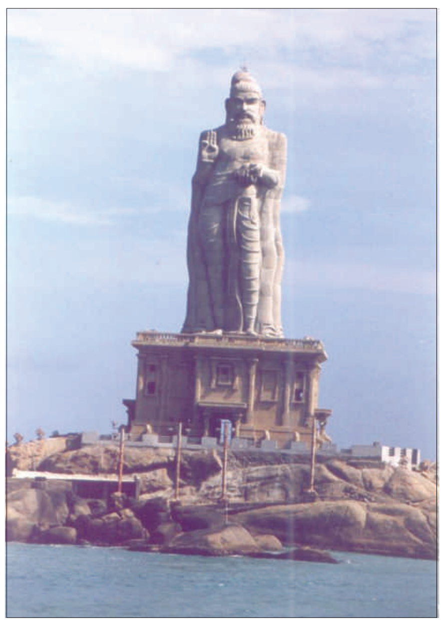

भारत भूमि के सबसे दक्षिण बिंदु पर स्थित कन्याकुमारी में केवल एक तीर्थस्थान है बल्कि देशी विदेशी सैलानियों का एक बड़ा पर्यटन स्थल भी है। देश के मानचित्र के अंतिम छोर पर होने के कारण अधिकांश लोग इसे देख लेने की इच्छा रखते हैं।

हिंद महासागर बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर के मिलन बिंदु पर स्थित इस नगर के लिए देश के अन्य भागों से वैसे तो अनेक रेलगाड़ियाँ हैं, किंतु हिमगिरि एक्सप्रेस देश की सबसे अधिक लंबी दूरी तय करने वाली एक्सप्रेस गाड़ी है। तामिलनाडु प्रांत में स्थित कन्याकुमारी की दूरी केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से ...... किलोमीटर है। कोंकण रेलवे बन जाने और नई दिल्ली तिरुवनंतपुरम राजधानी शुरू हो जाने से अब यहाँ तक पहुँचने के लिए समय में काफी बचत हो जाती है, इससे पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वैसे तिरुवनंतपुरम से कन्याकुमारी के लिए अनेक गाड़ियाँ हैं, किंतु पंद्रह-पंद्रह मिनट के बाद अंतर्राज्यीय बस सेवाएँ भी हैं। सामान्यतया पर्यटक यदि बस से कन्याकुमारी जाता है तो लौटते समय वह रेलगाडी में यात्रा करना पसंद करता है क्यों कि दोनों के मार्ग अलग-अलग होने के कारण अनेक प्रकार के प्राकृतिक दृश्यों को देखने का अवसर मिल जाता है।

तिरुवनंतपुरम से लगभग छियासठ किलोमीटर की दूरी पर नागरकोविल है। कन्याकुमारी जाने से पूर्व पर्यटक यहाँ विश्राम करना पसंद करते हैं। देश की सबसे बड़ी केलों की मंडी यहाँ स्थित है। यहाँ न केवल भिन्न-भिन्न आकार के केले मिलते हैं बल्कि एक प्रकार का लाल रंग का केला भी पाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। यह नगर बहुत स्वच्छ एवं सुंदर है। नगर नारियल के वृक्षों से ढका है। तिरुवनंतपुरम से नागरकोविल की यात्रा बस द्वारा करने पर अंतिम से कुछ किलोमीटर को छोड़कर शेष रास्ता सड़क के दोनों तरफ़ दुकानों और मकानों से घिरा होने के कारण यह अनुमान लगा पाना मुश्किल होता है कि पहला नगर कब छूटा ? छूटा भी या नहीं ? यात्रा रोमांचक होती है तथा गाड़ी में जिज्ञासा बराबर बनी रहती है।

ठहरने का स्थान

नागरकोविल से कन्याकुमारी की दूरी लगभग बाईस किलोमीटर है। यहाँ से कन्याकुमारी के लिए पाँच-पाँच मिनट पर बसें मिलती हैं। देश के अनेक राज्यों की तुलना में यहाँ बस का किराया सबसे कम है। कन्याकुमारी पर्यटक स्थल होने के कारण महँगा है, किंतु नागरकोविल उसकी तुलना में काफी सस्ता है। जो पर्यटक एक से अधिक दिन कन्याकुमारी ठहरते हैं तथा उनके सदस्यों की संख्या अधिक होती है, वे अपनी भोजन सामग्री नागरकोविल से पैक कराकर ले जाते हैं।

कन्याकुमारी में ठहरने के लिए अनेक होटल, गेस्ट हाउस व लॉज हैं। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों का अतिथिगृह भी काफी बड़ा, भव्य व खूबसूरत है। यहाँ अनेक एंपोरियम, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, साड़ियों आदि की दुकानें हैं। एंपोरियम में समुद्री वस्तुओं से बनी कलाकृतियाँ व अन्य सामग्री खरीदी जा सकती है। इसमें सभी धर्मों के लोग रहते हैं। यहाँ मंदिर, गिरजाघर और मस्जिद भी हैं। सागर तट के साथ पर्यटक परिसर विकसित हैं जहाँ पर्यटकों के रहने के लिए होटल, लॉज, अतिथिगृह हैं, वहाँ एम्पोरियम, दुकानें, दर्शनीय स्थल जैसे महात्मा गांधी स्मारक, प्रकाश स्तंभ. यंत्र नौका अड्डा, डाकघर, बैंक, कुमारी अम्मां मंदिर, गगनाथा स्वामी मंदिर, पुस्तकालय व आर. सी. चर्च हैं। यहाँ देश का अंतिम रेलवे स्टेशन व अंतिम बस अड्डा भी है।

विवेकानंद स्मारक

यंत्र-नौका अड्डे से नौका द्वारा कुछ मिनटों के फासले पर समुद्र के बीच में स्वामी विवेकानंद स्मारक है जो समुद्र के मध्य स्थित शिला पर 1970 ई. में निर्मित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि स्वामी विवेकानंद ने इस शिला पर 1892 ई. में योगसाधना की थी। और इसके उपरांत सन 1893 ईस्वी में विश्वविख्यात शिकागो के धर्म सम्मेलन में भाग लिया था। इस स्मारक में स्वामी जी की प्रतिमा के साथ ही एक ध्यान केंद्र भी है जिसमें कोई भी ध्यान केंद्रित कर सकता है किंतु बच्चों एवं स्त्रियों के लिए निषेध है। यहाँ स्वामी विवेकानंद पर आधारित साहित्य के विक्रय केंद्र भी हैं। इसके साथ ही एक शिला पर तमिल के महान कवि तिरुवल्लुवर की विशालकाय प्रतिमा भी स्थापित की गई है।

कन्याकुमारी का सूर्योदय एवं सूर्यास्त देखने योग्य होता है। सूर्योदय तो किसी भी मौसम में देखा जा सकता है किंतु मानसून के दिनों में आकाश में बादल होने के कारण कभी-कभी वंचित भी होना पड़ सकता है इसलिए शरद ऋतु में सूर्योदय एवं सूर्यास्त दोनों देखा जा सकता है। गर्मियों में सूर्यास्त थोड़ा और पश्चिम की तरफ होने के कारण दिखाई नहीं पड़ता। यदि पूर्णमासी के दिन यहाँ की यात्रा की जाए तो सोने में सुहागा जैसा होता है।

कन्याकुमारी का पौराणिक माहात्म्य भी है। कहा जाता है कि देवराज इंद्र को गौतम ऋषि द्वारा प्राप्त श्राप से मुक्ति यहाँ मिली थी। यहाँ देवराज इंद्र ने कन्याकुमारी मंदिर के द्वितीय प्रकार के गणपति की देवेंद्र ने ही प्रतिष्ठा करके पूजा की थी इसलिए इसे 'इंद्रकांत विनायक', 'पापविनाशम' व 'मंडूक तीर्थक' भी कहते हैं।

सीढ़ियों वाला घाट

कन्याकुमारी के तीन सागरों के मिलन बिंदु पर सोलह स्तंभों वाला एक मंडप बना है जिसके नीचे सीढ़ियों वाला घाट है, इस घाट पर श्रद्धालु स्नान करते हैं। किंतु इससे थोड़ा पश्चिम हटकर प्राकृतिक रूप से फैली चट्टानों के मध्य सागर का उथला भाग है जहाँ पर्यटक एवं उनके साथ आए बच्चे सागर की लहरों के साथ खेलते हैं। कन्याकुमारी की जलवायु पश्चिमी घाट की है इसलिए वर्ष भर समताप रहता है और प्रतिवर्ष लगभग 102 से.मी. वर्षा हो जाती है। धरती पथरीली है इसलिए नारियल, कीकर, इमली के ही वृक्ष उगते हैं।

यहाँ के आदिवासियों की आजीविका समुद्र पर आधारित है। कुछ लोग पर्यटन व्यवसाय में लगे हैं, किंतु यहाँ अधिकांश दुकानों के मालिक अन्य राज्यों के हैं। यहाँ की भाषा तमिल, मलयालम और अंगरेज़ी है किंतु हिंदी में काम चलाया जा सकता है। दो अक्तूबर को कन्याकुमारी में जहाँ गांधी स्मारक निर्मित है, वहाँ गांधी जी का सिला वस्त्र समुद्र में विसर्जन हेतु रखा था। दो अक्तूबर को दोपहर के ठीक 12 बजे सूर्य की किरणें दिखाई देती हैं, वहीं गांधी जी का स्मारक बनाया गया है। प्रकाश स्तंभ से यदि कन्याकुमारी का दृश्य देखा जाए तो अद्भुत अनुभव होता है।

होटल में तब्दील होगा सिंगापुर का मरलॉयन

सिंगापुर की खास पहचान मरलॉयन अब एक होटल में तब्दील होने जा रहा है। सिंगापुर का नाम लेने पर सैलानियों के जेहन में आने वाली छवियों में एक सबसे प्रमुख मैरिना बे में खडे मुंह से पानी गिराते आठ मीटर ऊंचे मरलॉयन की भी है। अब सिंगापुर की संस्कृति का यह खास प्रतीक मशहूर जापानी कलाकार तात्जू निशी के डिजाइन किए हुए होटल में तब्दील होने जा रहा है। यह तब्दीली सिंगापुर आर्ट म्यूजियम द्वारा आयोजित किए जाने वाले सिंगापुर बाइनेल (द्विवार्षिकी) का हिस्सा है। 13 मार्च से 15 मई 2011 के बीच होने वाले बाइनेल का यह तीसरा संस्करण है।

मरलॉयन का नया स्वरूप दरअसल अपने आप में एक कलाकृति है जो उसे एक अस्थायी शानदार होटल स्वीट का रूप दे देगी। दिन के समय (सवेरे 10 बजे से शाम 7 बजे तक) यह आम लोगों के देखने के लिए उपलब्ध रहेगा तो शाम के वक्त यह होटल के कमरे के तौर पर रात गुजारने के इच्छुक लोगों को किराये पर मिल सकेगा। इस अनुभव को उठाने के इच्छुक लोग 28 फरवरी 2011 से बुकिंग कराना शुरू कर सकते हैं। यह कमरा 4 अप्रैल से 5 मई के बीच दो वयस्क लोगों को 150 सिंगापुर डॉलर की दर पर एक रात के लिए उपलब्ध रहेगा। एक कमरे के इस होटल में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं- डबल बेड, बाथरूम, खास मरलॉयन होटल बटलर और सिंगापुर फुलर्टन होटल में सुबह का नाश्ता। हर मेहमान को वहां पहुंचने पर मेजबानों की तरफ से विशेष तोहफे भी मिलेंगे। और तो और, आम लोगों के लिए एक कॉंटेस्ट भी रखी गई है जिसमें बाइनेल की पहली व आखिरी रात (13 मार्च व 15 मई) को मरलॉयन होटल में ठहरने का मुकाबला जीता जा सकता है। इस मुकाबले में शामिल होने के लिए लोगों को सौ शब्दों में अपनी निजी कहानी लिखनी होगी कि क्यों उन्हें मरलॉयन होटल में रात गुजारने का मौका दिया जाना चाहिए। सिंगापुर मरलॉयन को सबसे पहले 1972 में आठ मीटर ऊंची कलाकृति के तौर पर बनाकरसिंगापुर नदी के मुहाने पर स्थापित किया गया था- सिंगापुर आने वाले सभी लोगों का स्वागत करने के लिए। उस समय इसकी लागत 1.65 लाख सिंगापुर डॉलर आई थी। उसे एक स्थानीय शिल्पकार लिम नांग सेंग ने बनाया था, जिसने शिल्प में कई मुकाबले जीते हुए थे। 15 सितंबर 1972 को इसे औपचारिक रूप से तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित किया गया। लेकिन 15 सितंबर 2002 को इसे वन फुलर्टन के निकट मरलॉयन पार्क में इसकी मौजूदा जगह पर ले जाया गया जो ठीक मैरिना बे पर है। अब इस नई कलाकृति को रूप देने के लिए मरलॉयन को 7 फरवरी को ढक दिया गया है। 9 मार्च तक यह ऐसे ही रहेगा। 11 मार्च को इसका अनावरण होगा।

एक बार सिंगापुर बाइएनेल 15 मई को खत्म हुआ तो 16 मई से 5 जून तक इसे फिर इसे अपने मूल स्वरूप में लाने का काम चलेगा और 6 जून को मरलॉयन फिर अपने असली रूप में लोगों के सामने होगा। इस सिंगापुर बाइएनेल का एक और खास आकर्षण होगा। मैरिना बे पर लाइट शो की जगह इस बार राफेल लोजानो-हेमर की एक अद्भुत कलाकृति होगी जिसमें लोग पुराने कलांग एयरपोर्ट की लंबी दीवार पर अपनी छाया डालकर मनपसंद रेडियो स्टेशन सुन सकेंगे। एक कंप्यूटराइज्ड ट्रैकिंग सिस्टम उनकी छाया के स्थान और आकार के अनुरूप रेडियो फ्रीक्वेंसी ट्यून करेगा और वोल्यूम भी नियंत्रित करेगा। बस, लोग छाया हिलाएंगे और सुनेंगे मनपसंद स्टेशन।

सार समाचार

कहां गुम हो गए आईएसआई के नए चीफ? न वीडियो न तस्वीरें, दीदार को तरसी पाकिस्तानी मीडिया

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के नई डायरेक्टर जनरल है लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम। कहा जा रहा है कि, पाकिस्तानी मीडिया इनके दीदार को तरस रही है, दरअसल सोमवार को पाकिस्तान में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की एक बैठक हुई जिसमें आईएसआई के डीजी की मौजूदगी थी। लेकिन बैठक के बाद जब सरकार की ओर से मीडिया को फोटोज जारी की गईं उसमें नदीम अंजुम गायब थे, पाकिस्तानी सरकार की ओर से जारी की गई तस्वीर में नदीम अंजुम को छोड़कर बाकी सभी को देखा जा सकता है। जब नदीम अंजुम के तस्वीरों से गायब रहने का कारण पूछा गया तो, अधिकारियों ने बताया कि, आईएसआई चीफ के निदेर्शों के तहत ऐसा किया गया है, वे किसी भी आधिकारिक बैठक की फोटो या वीडियो जारी नहीं कर सकते जिसमें आईएसआई के डीजी की मौजूदगी हो। दरअसल पाकिस्तान के एजेंसी के नए डीजी ओर से अधिकारियों यह निर्देश है कि, किसी भी आधिकारिक बैठक की तस्वीरें या वीडियो मीडिया में ना जाए।

खुफिया सेवाओं का सबसे पहला सिध्दांत होता है मीडिया से दूर रहना

जबसे डीजी आईएसआई की नियुक्ति हुई है तब से उनकी कोई तस्वीर या वीडियो मीडिया में नहीं आई है। लेफ्टिनेंट जनरल (री.) अहमद शोएब कहते हैं कि, खुफिया सेवाओं का मूल सिद्धांत है कि मीडिया की नजरों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत में ऐसे नियम का कई बार उल्लंघन हो चुका है। कई बार सरकारें खुफिया प्रमुखों की तस्वीरें मीडिया को जारी कर चुकी हैं। अहमद शोएब ने कहा कि, टीवी पर खुफिया एजेंसी के प्रमुखों को नहीं दिखाना चाहिए। इस नियम का उल्लंघन अफगान युद्ध के वक्त भी हुआ था। जब जनरल हामिद गुल और जनरल जावेद नासिर आईएसआई की कमान संभाल रहे थे। आईएसआई में काम कर चुके मेजर जनरल (री.) एजाज एवान द न्यूज से बात करते हुए कहते हैं कि, डीजी आईएसआई मीडिया के सामने आए बिना भी अपने काम को कर रहे हैं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में कोरोना के मामले हुए 50 लाख के पार

सैक्रामेंटो (अमेरिका)। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 50 लाख के आंकड़े को पार कर गए हैं, संक्रमण के ज्ञात सर्वाधिक मामलों वाला यह पहला राज्य बन गया है। सरकारी आंकड़ों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। कैलिफोर्निया जन स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में संक्रमण का पहला मामला 25 जनवरी 2020 को सामने आया था। इसके ठीक 292 दिन बाद उसी वर्ष 11 नवंबर को संक्रमण के मामले बढ़कर दस लाख हो गए थे। इसके बाद 44 दिन में राज्य में संक्रमण के मामले बीस लाख से अधिक हो गए थे। राज्य में संक्रमण से 75,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र ने कैलिफोर्निया को देश के अधिकतर स्थानों के साथ वायरस के उच्च प्रसार वाले क्षेत्र की सूची में डाला है। इस बीच, राज्य में संक्रमितों के अस्पतालों में भर्ती होने के मामले धीरे–धीरे बढ़ रहे हैं। पिछले सात दिनों में अस्पतालों में भर्ती होने के मामले 12 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। इस दौरान 4,401 लोग अस्पाल में भर्ती हुए है। इन मामलों में अभी यह स्पष्ट नहीं हैं कि इनमें नए स्वरूप ओमीक्रोन के कितने मामले हैं।

अमेरिका के पूर्व सांसद एवं नेवादा से सबसे लंबे समय तक कांग्रेस के सदस्य रहे हैरी रीड का हुआ निधन

लास वेगास (अमेरिका)। अमेरिका के पूर्व सांसद एवं नेवादा से सबसे लंबे समय तक कांग्रेस के सदस्य रहे हैरी रीड का निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। पूर्व सांसद की पत्नी लैंड्रा रीड ने एक बयान में कहा, हैरी ने मंगलवार को अंतिम सांस ली, उस वक्त परिवार से सभी सदस्य मौजूद थे। वह पिछले चार साल से अग्न्याशय कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने कहा, हैरी एक समर्पित पारिवारिक व्यक्ति और निष्ठावान दोस्त थे। हम पिछले कुछ वर्षों में इतने सारे लोगों से मिले समर्थन की सराहना करते हैं। हम उन चिकित्सकों और नर्स के भी आभारी हैं, जिन्होंने हैरी का ध्यान रखा। लैंड्रा ने बताया कि हैरी के अंतिम संस्कार से जुड़ी जानकारी आने वाले दिनों में साझा की जाएगी। वाशिंगटन में 34 साल के करियर में, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बराक ओबामा के कार्यकाल में हैरी ने अहम भूमिकाएं निभाई। हैरी ने एक हादसे में एक आंख की रोशनी खोने के बाद 2016 में राजनीति को अलविदा कह दिया था। हैरी को मई 2018 में अग्न्याशय का कैंसर हो गया था और तभी से उनका इलाज चल रहा था।

ओमीक्रोन के कारणऑस्ट्रेलिया में नहीं थम रहा, कोरोना संक्रमण का कहर

सिडनी। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के कारण ऑस्ट्रेलिया में संक्रमण का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिसके मद्देनजर प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने मंत्रिमंडल की एक आपात बैठक बुलाई है। सिडनी और न्यू साउथ वेल्स के आसपास के क्षेत्रों में 11,000 से अधिक नए मामले सामने आए, जो एक दिन पहले सामने आए मामलों से 6000 अधिक हैं। वहीं, विक्टोरिया में भी रिकॉर्ड 3,700 नए मामले सामने आए, जो वहां एक दिन पहले आए मामलों से एक हजार अधिक हैं।

देश के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि सरकार अब बृहस्पतिवार को निर्धारित समय से पहले बैठक करेगी। मॉरिसन ने पत्रकारों से कहा, ओमीक्रोनके फैलने के साथ ही हम पर दबाव बढ़ता रहेगा। राज्य तथा क्षेत्र उन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी योजनाओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक में यह स्पष्ट हो पाएगा कि संक्रमितों का करीबी सम्पर्क किसे माना जाए और मामलों के अत्यधिक बढ़ने पर किस तरह से जांच की जाए।

अन्य राज्यों में भी मामले लगातार बढ़ रहे हैं। क्वींसलैंड में 1,500 से अधिक, साउथ ऑस्ट्रेलिया में 1,400, राजधानी क्षेत्र में 138 और तस्मानिया में 55 नए मामले सामने आए हैं। क्वींसलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इन मामलों में लगभग 80 प्रतिशत मरीज ओमीक्रोनह्ण से संक्रमित हैं। वहीं, साउथ ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की कि वह अग्रिम मोर्च पर तैनात स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए ह्यबूस्टरह्ण खुराक लेना अनिवार्य करेगा। राज्य के प्रमुख स्टीवन मार्शल ने कहा कि साउथ ऑस्ट्रेलिया अब अंतरराज्यीय यात्रा के लिए ह्यस्क्रीनिंग टेस्टह्ण नहीं करेगा, क्योंकि अब उसके पास इतनी सुविधाएं नहीं हैं। मार्शल ने कहा, ओमीक्रोन बहुत तेजी से फैल रहा है। ऑस्ट्रेलिया के तीन–चौथाई से अधिक लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। ऐसे में यह नया स्वरूप कितना घातक साबित होगा, यह कहा नहीं जा सकता।

फ्रांस ने भड़काऊ भाषण की घटनाओं के बाद मस्जिद को बंद किया

पेरिस। फ्रांस ने भड़काऊ भाषण की घटनाओं के बाद देश की एक मस्जिद को बंद करने का आदेश दिया है।दरअसल उत्तरी फ्रांस के ब्यूवेस की मस्जिद के इमामों के उपदेश देने की कट्टरपंथी प्रकृति के कारण मस्जिद को बंद करने का फैसला किया है।पेरिस से करीब 100 किमी दूर स्थित 50,000 की जनसंख्या वाले ब्यूवेस कस्बे में बनी ये मस्जिद अगले 6 महीनों के लिए बंद रहेगी। वहां के उपदेश नफरत, हिंसा और जिहाद की रक्षा को उकसाते हैं, इसके बाद मस्जिद को कुछ समय के लिए बंद करने का फैसला लिया गया है।

गृह मंत्री गेराल्ड डारमैनिन ने दो सप्ताह पहले साइट को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की थी। डारमैनिन के मुताबिक वहां के इमाम अपने उपदेशों में ईसाइयों, समलैंगिकों और यहूदियों को निशाना बना रहे हैं।मंत्री ने कहा, अस्वीकार्य है। कानूनी तौर पर कार्रवाई करने से पहले स्थानीय अधिकारियों को 10 दिनों की सूचना एकत्र करने की शुरू करने के लिए बाध्य किया गया था, लेकिन मंगलवार को बताया कि मस्जिद अब दो दिनों के भीतर बंद होगी। मस्जिद के इमाम ने हाल ही में इस्लाम धर्म कबूल किया था।

सिंगापुर के मरीना बीच पर साल 2022 के स्वागत के लिए जमकर रोशनी की गयी है उसी के इंतजामों को देखते हुए लोग।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग चर्चा में

– केंद्रीय औषधि प्राधिकरण ने भारत में उपयोग के लिए दो और कोविड–19 रोधी टीकों को दी मंजूरी

वाशिंगटन । स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग चर्चा में है क्योंकि इस सप्ताह केंद्रीय औषधि प्राधिकरण (सीडीए) ने भारत में उपयोग के लिए दो और कोविड–19 रोधी टीकों कॉर्बेवैक्स और कोवोवैक्स तथा एंटीवायरल दवा मोलनुपिरवीर को मंजूरी दी है। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने एक ट्वीट में इसे भारत–अमेरिका स्वास्थ्य सहयोग का एक मॉडल बताया। संधू ने कहा ?कि भारत–अमेरिका के स्वास्थ्य सहयोग के मॉडल वैश्विक भलाई के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। टेक्सास चिल्ड्रन्स, बेलोर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के नेशनल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन के साथ काम कर रही भारतीय कंपनियों, बेलोर में नेशनल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन के प्रोफेसर एवं डीन डॉ. पीटर होटेज, टेक्सास चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल सेंटर फॉर वैक्सीन डेवलपमेंट, नोवावैक्स के सह–निदेशक मर्क एंड रिजबैक बायो ने भारतीय राजनयिक के ट्वीट को रिट्वीट किया। अक्टूबर में ह्यूस्टन की अपनी यात्रा के दौरान संधू ने प्रोफेसर होटेज से मुलाकात की थी और इस मुद्दे पर चर्चा की थी। इस साल जून में राजदूत ने मेरीलैंड में नोवावैक्स केंद्र का दौरा किया। उन्होंने सानीश्योर के सीईओ थॉमस हुक से भी बात की।

भीषण जंग की तैयारी में है अमेरिका? अपने रक्षा बजट में की भारी-भरकम बढ़ोतरी, चीन के खिलाफ 'बड़ी रणनीति' का किया आह्वान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

दुनिया की सबसे सुपर पावर अमेरिका जल, थल और वायु में सबसे खतरनाक हथियारों से सजी सेना है। दुनिया के सबसे घातक हथियारों से लैस अमेरिका एटम बम का भी इस्तेमाल कर चुका है। लेकिन अब अमेरिका अपनी इस ताकत को और ज्यादा बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसलिए अमेरिका ने अपने रक्षा बजट को और ज्यादा बढ़ाने का ऐलान किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) पर हस्ताक्षर कर उसे कानून की शक्ल दे दी। इस कानून के तहत रक्षा मदों पर खर्च के लिए 768.2 अरब डॉलर अधिकृत किए गए हैं, जिसमें 2022 के लिए रक्षा सेवाओं के सदस्यों के वेतन में 2.7 प्रतिशत बढ़ोतरी भी शामिल है।

अमेरिका के भारी-भरकम रक्षा बजट की खास बातें

दुनिया में हथियारों की दौड़ शुरू हो चुकी है। अमेरिका ने अपने रक्षा बजट में बड़ी बढ़ोतरी की है। 2022 में अमेरिका का रक्षा बजट 768.2 अरब डॉलर रखा गया। दुनिया में सिर्फ 17 देश हैं जिनकी जीडीपी इस रकम से ज्यादा है। ये बढ़ोतरी उस वक्त में हुई जब दुनिया की दो महाशक्तियां रूस और चीन से अमेरिका का तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका ने अपने रक्षा बजट में चीन के खिलाफ विशेष रणनीति बनाने की तैयारी की है। इसके लिए अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध में इस्तेमाल किए गए अपने नेवल बेस को और आधुनिक करने जा रहा है।

बाइडेन ने क्यों बढ़ाया रक्षा बजट

अमेरिका कभी यूक्रेन के लिए रूस से तो कभी ताइवान के लिए चीन से भिड़ने को तैयार रहता है। ईरान के खिलाफ भी अमेरिका सख्त है। अफगानिस्तान से भले ही अमेरिकी सैनिकों की विदाई हो गई हो लेकिन फिर भी इतने मोर्चों पर एक साथ नजर रखने के लिए अमेरिका अपने रक्षा बजट से कोई समझौता नहीं कर सकता।

चीन के दादागिरी पर लगाम

रूस से वैसे तो अमेरिका का तनाव दशकों पुराना है, लेकिन वर्तमान दौर में अमेरिका अपने लिए रूस से बड़ा खतरा चीन को मानता है। चीन के खिलाफ एक बड़ी रणनीति बनाने का आह्वाहन किया। बजट में चीन-रूस से प्रतिस्पर्धा को फोकस किया गया है। गुआम और वेक नेवल बेस से चीन व उत्तर कोरिया पर नजर रखा जाएगा। हिंद प्रशांत क्षेत्र में अभियान चलाने के लिए 7.1 अरब डॉलर का प्रावधान किया गया है। यह वही इलाका है जहां पर चीन लगातार दादागिरी दिखा रहा है।

पाकिस्तान मंत्री फवाद चौधरी ने कहा, तालिबान की चरमपंथी सोच हमारे लिए खतरा

इस्लामाबाद (एजेंसी)

तालिबान और पाकिस्तान की दोस्ती में दरार पड़ चुकी है।अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के लिए पाकिस्तान ने जिस तालिबान को हथियार और ट्रेनिंग देकर आगे बढ़ाया था, अब वहीं तालिबान उसके लिए गले की फांस बन गया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने तालिबान हुकूमत के उन फैसलों की आलोचना की है, जिसमें महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं।फवाद चौधरी ने इस पिछड़ी सोच को पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है।चौधरी ने कहा, चरमपंथी सोच हमारे लिए खतरा है।हमें जिन्ना का पाकिस्तान वापस चाहिए।

फवाद चौधरी ने कहा, हम अफगानिस्तान की मदद करना चाहते हैं, लेकिन तालिबान की चरमपंथी सोच है।इसकारण महिलाएं अकेले सफर नहीं कर सकतीं, स्कूल नहीं जा सकतीं, कॉलेज नहीं जा सकतीं, यह पुरानी सोच पाकिस्तान के लिए खतरा है। पाकिस्तान की असली लड़ाई चरमपंथ के खिलाफ है।

जिन्ना का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा, मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान को एक इस्लामी मुल्क बनाना चाहते थे, मजहबी मुल्क नहीं।मौलाना अबुल कलाम आजाद के सामने जिन्ना का मजहबी इल्म कुछ नहीं था। अगर पाकिस्तान को एक मजहबी मुल्क बनाना होता,तब फिर इसकी तहरीक मौलाना लोग चलाते, जिन्ना बहुत मॉर्डन थे। आज उनके नाम पर कुछ लोग मुल्क को पीछे ले जाना चाहते हैं। कायद-ए-आजम का पाकिस्तान वापस पाना हमारे लिए असली चुनौती है।

बांग्लादेश बैंक की घोषणा, विदेशी कामगार अपनी सारी कमाई विदेश भेज सकते

ढाका (एजेंसी)

बांग्लादेश ने अपनी मौद्रिक नीति में एक बड़े बदलाव की घोषणा की हैं। देश के सेंट्रल बैंक-बांग्लादेश बैंक ने ऐलान किया कि बांग्लादेश में जो विदेशी काम करते हैं,अब वे टैक्स देनदारियां पूरी करने के बाद अपनी सारी कमाई विदेश भेज सकते है। ऐसा वे हर महीने कर सकते है। बैंक के सर्कुलर में कहा गया है कि बांग्लादेश में पैसा कमाने वाले विदेशी नागरिक अब हर महीने अपनी कमाई का 80 फीसदी तक हिस्सा विदेश भेज पाएंगे। बाकी 20 फीसदी हिस्सा उनकी आमदनी पर बना इनकम टैक्स है, जो वित्त वर्ष के अंत में उन्हें जमा कराना होगा। अपनी रकम विदेश भेजने के पहले विदेशी नागरिकों को टैक्स अधिकारियों से जरूरी प्रमाणपत्र हासिल करना होगा। विश्लेषकों के मुताबिक बांग्लादेश बैंक ने हाल में अपनी नीति में दो महत्त्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब हर महीने बाहर भेजी सकने वाली रकम की सीमा बढ़ा दी गई है। इसके पहले यह अहम बदलाव किया गया था कि बांग्लादेश में रोजगार या कारोबार करने करने वाले लोग किसी भी देश में अपनी कमाई को भेज सकते हैं। उसके पहले तक नियम यह था कि बांग्लादेश में कमाई गई रकम सिर्फ उसी देश को भेजी जा सकती थी, संबंधित व्यक्ति जहां का मूल निवासी है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में ढाई लाख से ज्यादा विदेशी बांग्लादेश में काम कर रहे हैं।उनमें कई वे विदेशी भी हैं, जो गैर कानूनी ढंग से यहां आकर रोजगार कर रहे हैं। गैर-सरकारी संस्था ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल ने फरवरी 2020 में जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि गैर कानूनी ढंग से बांग्लादेश में रहने वाले विदेशी हर साल 26,400 टका की रकम विदेश भेज रहे हैं।रिपोर्ट में कहा गया था कि इस रूप में रकम विदेश जाने की वजह से बांग्लादेश सरकार को हर साल 12 हजार करोड़ टका की कर आय का नुकसान होता है।फिलहाल बांग्लादेश में 44 देशों के नागरिक काम कर रहे हैं। ये 20 प्रकार के कारोबार में नियमित या अनियमित रूप से कमाई करते हैं।

यूके, फ्रांस, इटली और ब्राजील में कोरोना ने मचाया हाहाकर

लंदन (एजेंसी)

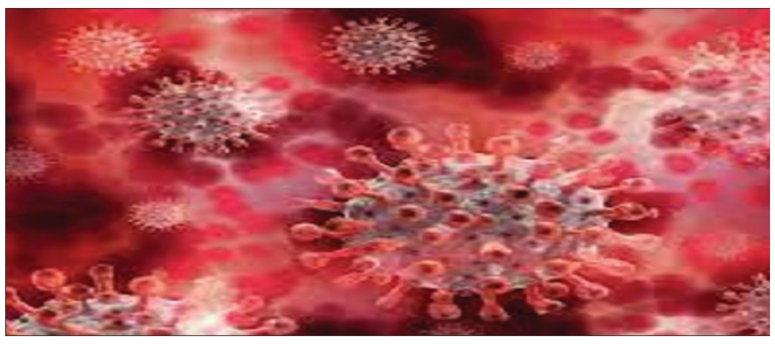

ब्रिटेन में कोरोना का कहर जारी है।यहां पिछले 24 घंटे में कोरोना के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए हैं। मंगलवार को 129,471 नए कोरोना केस की पुष्टि हुई है। इस दौरान से 143 लोगों की मौत भी हुई। पिछली बार कोरोना के सबसे ज्यादा केस 24 दिसंबर को मिले थे।इस दिन कोरोना के 122,186 केस दर्ज हुए थे। ब्रिटेन में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के संक्रमण की वजह से अस्पताल में मरीजों के भर्ती होने की दर 53 प्रतिशत हो गई है। लंदन के अस्पतालों में सबसे ज्यादा ओमिक्रॉन के मरीज भर्ती हो रहे हैं।इसी कड़ी में पीएम बोरिस जॉनसन ने कोरोना को लेकर नई पाबंदिया नहीं लागू करने की बात कही थी।इसके बाद यहां कोरोना केस में इजाफा हुआ।

यूरोप में कोरोना संक्रमणों की संख्या एक नए स्तर पर पहुंच गई है, क्योंकि फ्रांस ने पिछले 24 घंटों में लगभग 1,80,000 कोरोना मामलों का रिकॉर्ड दर्ज किया है।राष्ट्रीय एजेंसी का हवाला देकर कहा कि पिछले 24 घंटों के भीतर फ्रांस में कोरोना संक्रमितों के 1,79,807 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जो कि महामारी की शुरूआत के बाद से एक रिकॉर्ड उच्च संख्या है।फ्रांस में पिछले एक सप्ताह में वायरस से 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे देश में कुल मौत का आंकड़ा 122,000 से अधिक हो गया।

लगातार तीन दिन तक रिकॉर्ड मामले सामने आने के बाद इटली में रविवार को एक दिन के भीतर 24,883 नए मामले सामने आए हैं।ये संख्या एक दिन पहले सामने आए 54,762 मामलों से कम रही। इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को 54,762 नए मामले सामने आए हैं।जबकि एक दिन पहले 50,599 मामले आए।मंत्रालय ने कुल कोरोना मामलों के लगभग एक तिहाई (28 प्रतिशत) के लिए ओमिक्रॉन को जिम्मेदार बताया है।

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिजीज के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका में कोविड के चलते अस्पताल में भर्ती लोगों की संख्या रविवार को बढ़कर 9,114 हो गई। पॉजिटिविटी दर भी एक दिन पहले के 25.7 फीसदी से बढ़कर 27.2 फीसदी हो गई है।नए मामलों में सबसे ज्यादा (28 फीसदी) पश्चिमी केप प्रांत में दर्ज हुए हैं।

राष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ब्राजील ने मंगलवार को कोरोना के 8,430 मामले दर्ज किए गए।वहीं रिपोर्ट के अनुसार वायरस के कारण 171 मरीजों की मौत हो गई।वहीं दक्षिण अमेरिकी देश ने वायरस के अब कुल 618,705 लोगों की मौत हो चुकी है।जबकि अबतक 22,254,706 लोगों इस वायरस के चपेट में आ चुके हैं।

इमरान और सेना के बीच संबंध पहले जैसे नहीं, खैबर पख्तूनख्वा में पार्टी की हार इसका कारण

इस्लामाबाद (एजेंसी)

इमरान सरकार और सेना के बीच संबंध पहले जैसे नहीं हैं, इसकारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की खैबर पख्तूनख्वा के स्थानीय चुनावों में हार के बाद से यह चर्चा जोरों पर है। इमरान को पीएम का पद सेना की मदद से ही मिला था और माना जाता है कि दोनों के बीच करार हुआ था कि वे किन मसलों पर दखल दे सकते हैं। इस सत्ता का हाइब्रिड मॉडल कहा गया था, लेकिन अब यह विश्वास की कमी के चलते टूटता दिख रहा है।सेना और आईएसआई का इमरान पर अब पहले की तरह विश्वास नहीं दिख रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा में हार के पीछे सेना से बिगड़ते संबंध भी एक वजह हैं। इमरान को पहले से हार का डर सता रहा था, लेकिन उससे कहीं ज्यादा झटका लगा है। इस साल की शुरूआत से ही इमरान खान और सेना के बीच संबंध बिगड़ने लगे थे।बताया जा रहा है कि सेना ने ही इमरान की पार्टी पीटीआई के उम्मीदवारों के खिलाफ माहौल बनाने का काम किया था। इमरान और सेना के बीच तनाव का यह दूसरा राउंड था। इससे पहले नए आईएसआई चीफ की नियुक्ति को लेकर भी इमरान और सेना के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

सेना प्रमुख आईएसआई के चीफ को बदलना चाहते थे।स-ोना ने लेफ्टिनेंट फैज हमीद की जगह पर लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम का नाम घोषित किया था।इस इमरान के लिए झटका बताया जा रहा था क्योंकि फैज हमीद इमरान खान के करीबी माने जाते थे। सेना की ओर से लिए गए इस एकतरफा फैसले से इमरान खान को झटका लगा और बदले में वह लंबे समय तक सिफारिश को दबाए बैठे रहे। उनकी ओर से नियुक्ति को मंजूरी न दिए जाने तक तमाम कयास लगते रहे।पीएम इमरान के पास दो विकल्प थे, उस सिफारिश को स्वीकार करना या फिर खारिज करना। इमरान खान सेना से लड़ने की स्थिति में नहीं थे।इसकारण उन्होंने तीसरा विकल्प चुना और सिफारिश पर मुहर लगाने में देरी की। इससे साफ हो गया था कि इमरान के रिश्ते जनरल कमर जावेद बाजवा से पहले जैसे नहीं रह गए हैं। इमरान खान की ओर से फैसले में देरी को सेना ने अपने अपमान के तौर पर देखा, लेकिन शांत रही। इसके जवाब में सेना ने खैबर पख्तूनख्वा के चुनाव में अपनी भूमिका अदा की।इमरान

की पार्टी की चुनाव में हार के तमाम कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे अहम यही है कि सेना ने 2018 की तरह इस बार अपनी ओर से कोई प्रयास नहीं किए।

रूस के सुप्रीम कोर्ट ने मानवाधिकार संगठन पर रोक लगाने का आदेश दिया

मास्को । रूस के सुप्रीम कोर्ट ने देश के सबसे पुराने एवं प्रमुख मानवाधिकार संगठन पर रोक लगाने का आदेश दिया। जनता में आदेश को लेकर नाराजगी है।इस मानवाधिकार कार्यकताओं, स्वतंत्र मीडिया एवं विपक्षी समर्थकों के विरूद्ध महीनों से की जा रही दमनात्मक कार्रवाई की अगली कड़ी बताया जा रहा है। महाभियोजक कार्यालय ने मानवाधिकार संगठन मेमोरियल का कानूनी दर्जा निरस्त करने के लिए पिछले माह शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। मेमोरियल एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन है,जिसने सोवियत संघ के दौर में राजनीतिक दमन पर अपने अध्ययन को लेकर ख्याति पाई थी। फिलहाल देश–विदेश में उसके अंतर्गत 50 से अधिक छोटे संगठन आते हैं। अदालत ने अभियोजन के पक्ष में व्यवस्था दी।अभियोजन पक्ष ने सुनवाई के दौरान आरोप लगाया था कि मेमोरियल 'सोवियत संघ की आतंकवादी राज्य की गलत छवि गढ़ता है, तथा नाजी अपराधियों की करतूतों पर पर्दा डालकर कर उनका पुनर्वास करता है।'

मेमोरियल को 2016 में 'विदेशी एजेंट' घोषित किया गया था। यदि किसी संस्था को विदेशी एजेंट घोषित कर दिया जाता है,तब सरकार उस पर कड़ी निगाह रखकर उसके कामकाज की अतिरिक्त समीक्षा की जाती है जिससे संबंधित संगठन की साख गिरती है। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि संगठन ने नियमों का उल्लंघन किया जो विदेशी एजेंट घोषित होने के बाद किसी संगठनों को पालन करने चाहिए और संबंध में अपनी पहचान को भी छिपाया। मेमोरियल और उसके समर्थकों ने सरकार के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया।संगठन के नेताओं ने अदालत के रोक लगाने के आदेश के बाद भी अपनी गतिविधियां जारी रखने की प्रतिबद्धतता जाहिर की है। रूस पर पहले भी कई बार मानवाधिकार कार्यकताओं और विपक्षी नेताओं के दमन का आरोप लग चुका है। अमेरिका और नाटो जैसे संगठन अक्सर इस बाबत अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं।

सार समाचार

गोवा में पार्टी, रेस्तरां में जाने के लिए पूर्ण टीकाकरण या कोविड नेगेटिव रिपोर्ट जरूरी: मुख्यमंत्री

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार नए साल के जश्न को लेकर आयोजित पार्टी या रेस्तरां में शामिल होने वाले लोगों के लिए पूर्ण टीकाकरण या कोविड-19 से संक्रमित नहीं होने की रिपोर्ट लाना अनिवार्य कर देगी। सावंत ने संवाददाताओं से कहा कि जिला प्रशासन बुधवार शाम तक इस आशय की एक अधिसूचना जारी करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में विभिन्न आयोजनों के आयोजकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि अतिथि इन प्रमाण पत्रों को साथ रखें। गोवा सरकार ने मंगलवार को राज्य में अभी के लिए रात का कर्फ्यू नहीं लगाने का फैसला किया है, ताकि क्रिसमस और नए साल के त्योहारी सीजन के बीच पर्यटन व्यवसाय प्रभावित न हो। सावंत ने कहा कि उनकी सरकार कोविड????-19 संक्रमण दर पर नजर रख रही है और संक्रमण दर बढ़ने की स्थिति में तीन जनवरी को होने वाली कार्य बल की बैठक के दौरान कड़े फैसले लिए जाएंगे। पर्यटन उद्योग से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा कि नए साल के जश्न से पहले वर्तमान में राज्य के होटलों में लगभग 90 प्रतिशत लोग हैं, जबकि समुद्र तटों पर पहले से ही भीड़भाड़ है। कोविड-19 महामारी के कारण लगभग एक साल के अंतराल के बाद ब्रिटेन से चार्टर्ड उड़ानें पहले ही राज्य में आनी शुरू हो गई हैं। ट्रैवल एंड टूरिज्म एसोसिएशन ऑफ गोवा (टीटीएजी) के अध्यक्ष नीलेश शाह ने कहा कि होटल बुकिंग में पांच से सात फीसदी तक बुकिंग रद्द हुई है, लेकिन सीजन ह्यह्यकुल मिलाकर अच्छाह्नह्न है।

पजाब: शिअद व कांग्रेस के पूर्व विधायकों समेत कई नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

नयी दिल्ली। आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के पूर्व नेता जगदीप सिंह नकई, रविप्रीत सिंह सिद्धू, हरभाग सिंह देसु और कांग्रेस के पूर्व विधायक शमशेर सिंह राय ने बुधवार को भाजपा का दामन थाम लिया। केंद्रीय मंत्री व पंजाब के चुनाव प्रभारी गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश, राज्य के प्रभारी महासचिव दुष्यंत गौतम और राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी की उपस्थिति में इन सभी नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ली। नकई पंजाब अकाली दल के अध्यक्ष व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के प्रमुख संसदीय सचिव रह चुके हैं। वह दो बार मानसा से विधायक भी रहे हैं। शेखावत ने इस अवसर पर पंजाब की सत्ताधारी कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि जिस पंजाब के स्मरणपहले खुशहाली के तौर पर होता था, जिसका देश की अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान होता था उसे आजड्रग, रेत व शराब माफियाओं व आर्थिक बदहाली के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कहा, 'इन नेताओं के आने से भाजपा की ताकत निश्चित तौर पर बढ़ेगी। नया पंजाब बनाने का हमारा लक्ष्य है और इसमें इन नेताओं का आना सहायक होगा।' बलूनी ने कहा कि पंजाब के राजनीतिक कार्यकर्ता लगातार भाजपा में रूचि ले रहे हैं और सदस्यता भी ग्रहण कर रहे हैं। यह दशार्ता है कि वहां हवा किस ओर बह रही है।

स्वास्थ्य मंत्री टोपे ने कहा, महाराष्ट्र में कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़ना चिंताजनक

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने राज्य में कोविड-19 के नये मामलों के साथ ही उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़ने को लेकर बुधवार को चिंता जताई और इसे एक ह्लडरावनी स्थितिह्व करार दिया। यहां संवाददाताओं से बातचीत में, टोपे ने लोगों और अधिकारियों से सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पिछले आठ-दस दिन में राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या पांच हजार से छह हजार के बीच रही है। टोपे ने कहा कि मंगलवार को राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 11,492 थी। बुधवार को, यह संख्या 20,000 तक पहुंच सकती है। मंत्री ने कहा, ह्लराज्य में उपचाराधीन मामलों में वृद्धि डराने वाली है ह्व उन्होंने राज्य में मामलों की दर तेजी से दोगुनी होने और मुंबई में संक्रमण के मामले बढ़ने पर भी चिंता जताई है। मंगलवार को, महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,172 नये मामले सामने आए थे जो पिछले दिन के 1,426 मामलों की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक थे। स्वास्थ्य विभाग के मताबिक 22 मरीजों की मौत भी हुई थी। इन आंकड़ों के साथ ही राज्य में कोविड-19 के मामले बढ़कर 66,61,486 हो गए जबकि मृतक संख्या बढ़कर 1,41,476 पर पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने किया बड़ा ऐलान, 25 रुपए सस्ता होगा एक लीटर पेट्रोल

रांची। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हमने बड़ी वृद्धि देखी है। इन सब के बीच देश का एक राज्य ऐसा भी है जहां पेट्रोल की कीमतों में भारी छूट देने का ऐलान किया गया है। दरअसल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ऐलान किया है कि गरीबों को पेट्रोल पर राज्य सरकार 25 रुपए की छूट देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेट्रोल-डीजल के मूल्य में लगातार इजाफा हो रहा है, इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित हैं। इसलिए सरकार ने राज्य स्तर से दुपहिया वाहन के लिए पेट्रोल पर प्रति लीटर रू.25 की राहत देगी, इसका लाभ 26 जनवरी 2022 से मिलना शुरू होगा। लेकिन सस्ते पेट्रोल-डीजल का लाभ सिर्फ बीपीएल कार्ड धारकों को मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार स्टूडेंट्स को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से आच्छादित करेगी, ताकि होनहार छात्रों को पढ़ाई करने में परेशानी ना हो। जनजाति समुदाय के बच्चों को बैंक प्रबंधन लोन नहीं दे रहें हैं, इसको लेकर सरकार गंभीर है। आने वाले दिनों में इस समस्या का समाधान सरकार करेगी। आपको बता दें कि राज्यपाल रमेश बैस के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने टूरिज्म पॉलिसी के बुकलेट का विमोचन और समर योजना का शुभारंभ किया। समर योजना के जरिये झारखण्ड को कुपोषण मुक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा। 1000 दिनों के महाअभियान से बच्चे, किशोरियां और महिलाएं लाभान्वित होंगी।

कश्मीर घाटी कड़ाके की ठंड की चपेट में, गुलमर्ग में पारा शून्य से 10.4 डिग्री सेल्सियस नीचे

श्रीनगर। कश्मीर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और पर्यटकों के बीच खूबसूरती के लिए विख्यात गुलमर्ग में इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कश्मीर घाटी मंगलवार से ह्यचिल्लई-कलांह्न की गिरफ्त में है। यह 40 दिन की अवधि होती है और इस दौरान हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ती है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग में तापमान शून्य से 10.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जबकि पिछली रात यह शून्य से 9.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर के रूप में उपयोग में आने वाले पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.6 डिग्री नीचे रहा जबकि पिछली रात यह शून्य से 7.9 डिग्री सेल्सियस नीचे था। वहीं, श्रीनगर में तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। काजीगुंड में तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं दक्षिणी कोकरनाग में तापमान शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। ह्यचिल्लई-कलांह्न एक ऐसा काल है जब घाटी शीत लहर की चपेट में होती और तापमान काफी घट जाता है। यहां डल झील समेत घाटी के जलाशय एवं जलापूर्ति लाइनों में पानी जम जाता है। इस दौरान हिमपात की संभावना काफी रहती है तथा ज्यादातर क्षेत्रों खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में अधिक से बहुत अधिक हिमपात होता है।

अनुराग ठाकुर का सवाल, इत्र कारोबारी के खिलाफ कार्रवाई पर सपा को क्यों लग रही है मिर्ची

बलिया (उप्र)। (एजेंसी)

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला करते हुए करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति बरामद होने से सुर्खियों में आए इत्र कारोबारी के साथ उनके संबंध होने का दावा किया। सूचना एवं प्रसारण मामलों के साथ ही खेल मामलों के भी मंत्री ठाकुर ने मंगलवार को जिले के नरही क्षेत्र में अखिल भारतीय आमंत्रण प्राइजमनी फुटबाल प्रतियोगिता के समापन समारोह से इतर संवाददाताओं से बातचीत में अखिलेश पर इत्र व्यवसायी पीयूष जैन के ठिकानों पर पिछले दिनों हुई छापेमारी को लेकर जमकर निशाना साधा।

इत्र कारोबारी से सपा के रिश्ते नहीं होने संबंधी अखिलेश के बयान से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा, इत्र कारोबारी से सपा के रिश्ते नहीं हैं तो सपा को मिर्ची क्यों लग रही है। अखिलेश यादव अब क्यों बोल रहे हैं कि अभी आयकर विभाग की छापेमारी हुई है। इसके बाद ईडी व अन्य विभागों की छापेमारी होगी। ठाकुर ने कहा कि अखिलेश को इत्र कारोबारी के दर्द का एहसास तो है लेकिन जिस गरीब के विकास पर खर्च होने वाले कर का धन चुराया गया है, उस गरीब के दर्द का एहसास सपा को नहीं है तथा इससे स्पष्ट हो जाता है कि इत्र कारोबारी से किसकी सांठगांठ है। उन्होंने कहा, सपा का दर्द छुपाए नहीं छुप रहा है।

अखिलेश यादव जिस इत्र की बात करते रहे हैं, उसकी खुशबू दुनिया में इस तरह पहुँची है कि इत्र कारोबारी से उनके रिश्ते छिपाए नहीं छिप पा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इस छापेमारी का उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त जानकारी होने पर ही विभाग ऐसे मामले में कार्रवाई करता है और विभाग इस तरह की कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

पी चिदंबरम का दावा, मुस्लिमों के बाद अब हिंदुत्व ब्रिगेड के निशाने पर ईसाई हैं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बुधवार को आरोप लगाया कि मुस्लिमों के बाद अब हिंदुत्व ब्रिगेड का नया निशाना ईसाई हैं। उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी के एफसीआरए पंजीकरण को नवीनीकृत करने से सरकार के इनकार का हवाला देते हुए यह बात कही। गोवा के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक, चिदंबरम ने यह भी दावा किया कि मुख्यधारा की मीडिया ने मिशनरीज ऑफ चैरिटी (एमओसी) से संबंधित गृह मंत्रालय की कार्रवाई की खबर को अपने पृष्ठों से हटा दिया। उन्होंने कहा कि यह दुखद और शर्मनाक है। उन्होंने ट्विटर पर कहा, 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी (एमओसी) के नवीनीकरण की अस्वीकृति भारत के गरीब और वंचित वर्गों के लिए जनसेवा कर रहे गैर सरकारी संगठनों पर सीधा हमला है। चिदंबरम ने कहा, 'एमओसी के मामले में, यह ईसाइयों के धर्मार्थ कार्य के खिलाफ पूर्वाग्रह को दशार्ता है। मुस्लिमों के बाद, अब ईसाई हिंदुत्व ब्रिगेड का नया निशाना हैं।' गोवा विधानसभा चुनाव में लगातार दो बार की हार के बाद, कांग्रेस अगले साल की शुरूआत में होने वाले चुनाव में वापसी की उम्मीद कर रही है।

मालेगांव विस्फोट: सीएम योगी बोले- हिंदुओं पर दर्ज हुए झूठे केस, मांफी मांगे कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)

वर्ष 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में एक गवाह के दिए बयान के बाद भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने देश में सर्वाधिक समय तक शासन किया। उस समय ये कैसे भाजपा कार्यकर्ता, नेता, आरएसएस नेता, हिंदू नेताओं को झूठे मुकदमें में फंसाने का काम करते थे। आपने मालेगांव विस्फोट में देखा होगा। कांग्रेस की शरारत देश के खिलाफ अपराध है और कांग्रेस को मांफी मांगनी चाहिए। योगी ने कहा कि कांग्रेस पहले जब सत्ता में थी तो आतंकियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करती थी और ये हिंदू संगठनों पर झूठे मुकदमें दर्ज.करते थे और आज जब सत्ता से बाहर है तो हर उस कार्य का विरोध करते हैं जो कार्य जनता के हित के लिए हो।

योगी ने कहा कि पहले जब सत्ता में थे तब आतंकियों को प्रेरित करते थे और आज जब सत्ता से बाहर हैं तो जनता के हित के हर कार्यों का विरोध करते हैं। आतंकवादियों को प्रेरित और पोषित करने वाली ये कांग्रेस देश के साथ कैसे खिलवाड़ कर रही थी, ये किसी से छिपा नहीं है। दरअसल योगी की यह प्रतिक्रिया 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले के एक गवाह के मुकर जाने और मुंबई की एक अदालत में यह गवाही देने के बाद आई है कि तत्कालीन वरिष्ठ एटीएस अधिकारी परम बीर सिंह और एक अन्य अधिकारी ने उन्हें उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के चार अन्य नेताओं का नाम लेने की धमकी दी थी।

योगी ने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि पिछले साढ़े चार सालों के अंदर हमने प्रदेश में 45 लाख गरीबों को एक-एक आवास दिया है। समाजवादी पार्टी की सरकार में एक भी गरीब को आवास नहीं मिला था। आवास का पैसा कहां चला गया। अब दीवारों से वहीं पैसा निकल रहा है। उन्होने कहा कि अच्छी सरकार आती है तो अच्छी योजनाएं भी आती हैं। बुरी सरकार आएगी तो यही अन्न सपा के, बसपा के या कांग्रेस के नेताओं के घरों में चला जाता और उनकी तिजोरी भरती। कोरोना में उत्तर प्रदेश के प्रबंधन को पूरे देश ने और पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है।

शिमला में नये साल के जश्न के लिए पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने कमर कसी

शिमला। (एजेंसी)

इस साल के अंतिम दिन व नये साल के पहले दिन पर शिमला में आम तौर पर भारी तादाद में शिमला आना होता है। इस बार भी अभी से ही शिमला के सभी होटल व गैस्ट हाउस बुक हो चुके हैं। उपायुक्त शिमला आदित्य नेगी ने 31 दिसम्बर, 2021 को पर्यटकों की भारी आमद को देखते हुए कानून एवं व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए शिमला नगर व साथ लगते क्षेत्रों को सात सेक्टर में विभाजित कर अधिकारियों को निगरानी के लिए नियुक्त किया है। उपमण्डलाधिकारी ठियोग सौरव जस्सल को सेक्टर-1 के अंतर्गत लम्बी धार, फागु, ठियोग, फन वर्ड, गलू व साथ लगते क्षेत्र की निगरानी के लिए तैनात किया गया है। सेक्टर -2 के तहत जिला राजस्व अधिकारी संत राम को ढली, मशोबरा, नालदेहरा, छराबड़ा, कुफरी, चीनी बंगला, बाईपास के दोनों क्षेत्र, संजौली व साथ लगते क्षेत्रों के लिए नियुक्त किया गया है। सेक्टर -3 के तहत नायब तहसीलदार ग्रामीण हीरा लाल गेजटा को आईजीएमसी, लौंगवुड, भराड़ी, कैलस्टन, ऑकलैंड, लक्कड़ बाजार बसस्टैंड, ताराहॉल, विक्ट्री टनल व साथ लगते क्षेत्रों के लिए सैक्टर अधिकारी नियुक्त किया गया है। सेक्टर -4 में उपमण्डलाधिकारी शहरी मंजीत शर्मा रिज, लक्कड़ बाजार, स्कैंडल प्वाइंट, तिब्बती मार्केट, जोधा निवास, यूएस क्लब, हॉली लॉज, मालरोड, स्पोर्टस कॉम्पलैक्स से शैलिट डे चैक, हाई कोर्ट, सीटीओ, कालीबाड़ी से स्टेट बैंक तक, मिडल बाजार, लोअर बाजार, राम बाजार और साथ लगते क्षेत्र के लिए तैनात किया गया है।

सभी के साथ मिलकर कर्नाटक में भाजपा को सत्ता में वापस लाने का प्रयास करेंगे: बोम्मई

हुबली (कर्नाटक) (एजेंसी)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बुधवार को कहा कि वह अन्य नेताओं के साथ मिलकर 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को सत्ता में वापस लाने का प्रयास करेंगे। राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के कार्यकारिणी के सदस्यों और राष्ट्रीय नेतृत्व से समर्थन मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने यह बयान दिया। ऐसा बताय जा रहा है कि हुबली में मंगलवार को शुरू हुई दो दिवसीय भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और कर्नाटक प्रभारी अरुण सिंह, केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी तथा कई नेताओं ने बोम्मई के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और पार्टी के उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी, जो तमाम तरह की अफवाह फैलाने में शामिल हैं। बोम्मई ने पत्रकारों से कहा, 'मैं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व, राज्य इकाई के अध्यक्ष, पदाधिकारियों और राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों का हमारी सरकार में विश्वास जताने और हमें आगे बढ़ने के लिहाज से प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रिया अदा करता हूं।' उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वह, अन्य नेताओं के साथ मिलकर पार्टी को और मजबूत करने, और संगठित करने, पार्टी तथा सरकार के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने, राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने और आगामी चुनाव को लेकर नेतृत्व की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे। कुछ लोगों के विरोध के बावजूद आलाकमान से समर्थन मिलने के एक सवाल पर उन्होंने कहा, 'आलाकमान शुरू से ही बहुत स्पष्ट रहा है। वही स्पष्टता यहां अरुण सिंह ने व्यक्त की है। यह एक प्रकार की पुनः पुष्टि है।'

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के कारण के कारण कोविड-19 के मामले बढ़ रहे: दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय यात्री जिनकी हवाई अड्डे पर जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी, कुछ दिनों के बाद संक्रमित पाए जा रहे हैं और इस अवधि के दौरान उनके परिवार के सदस्य भी संक्रमित हो रहे हैं। जैन ने संवाददाताओं से कहा, 'अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के कारण मामले बढ़े हैं। पूर्व की लहर के दौरान भी, उड़ानें आने के साथ मामले बढ़े थे।' दिल्ली में बुधवार तक ओमीक्रोन के 238 मामले आ चुके हैं। एक दिन पहले वायरस के नए स्वरूप के संक्रमण के 165 मामले थे। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को कोविड-19 के 496 मामले आए जो चार जून के बाद सर्वाधिक मामले हैं। संक्रमण दर भी बढ़कर 0.89 प्रतिशत हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 30 नवंबर को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, अगर ह्यजोखिम वाले' देशों से आने वाले लोगों की जांच रिपोर्ट हवाई अड्डे पर निगेटिव आती है तो तो उन्हें एक सप्ताह के लिए गृह पृथक-वास के नियम का पालन करना होगा। आगमन के आठवें दिन फिर से जांच की जाती है और यदि रिपोर्ट निगेटिव आती है तो उन्हें अगले सात दिनों तक अपने स्वास्थ्य की स्वयं निगरानी करनी होगी।

संक्रमित पाए जाने पर ऐसे लोगों के नमूने निर्धारित प्रयोगशाला में भेजे जाते हैं और तय प्रक्रिया के मुताबिक उपचार किया जाता है। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, 'कई लोगों की हवाई अड्डे पर जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी और उन्हें घर जाने की अनुमति दे दी गई। जिला प्रशासन ऐसे लोगों के साथ संपर्क में है। घर पहुंचने के बाद ऐसे लोगों ने फिर से जांच कराई और वे संक्रमित पाए गए। इस दौरान ऐसे लोगों के घर के सदस्य भी संक्रमित हुए।'

जैन ने कहा कि ओमीक्रोन स्वरूप बेहद संक्रामक है और संकेत दिया कि मामलों में बढ़ोतरी के पीछे यह एक कारण हो सकता है। उन्होंने कहा, 'ज्यादा मामले विदेशों से आए यात्रियों और उन लोगों के हैं जिन्होंने दूसरे स्थानों की यात्राएं की। अगर वे संक्रमित पाए जाते हैं तो उन्हें पृथक-वास में भेजा जाता है।' उन्होंने कहा, 'अब तक हमने देखा है कि मरीजों को ऑक्सीजन की मदद की जरूरत नहीं होती और वे आसानी से ठीक हो जाते हैं।' उन्होंने लोगों से कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करने का आग्रह किया। मामलों में वृद्धि के मद्देनजर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को 'येलो अलर्ट' घोषित किया, जिसके तहत स्कूल, कॉलेज, सिनेमा और जिम बंद रहेंगे।

2021 में भी कायम रहा ममता बनर्जी का जादू, भाजपा के लिए बंगाल में चुनौतीपूर्ण रही स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विधानसभा चुनाव में दिया नारा 'खेला होबे' इस पूरे साल चर्चा का केन्द्र बना रहा... वहीं, सत्ता में एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस की वापसी और भाजपा की हार के बीच राज्य में राजनीतिक उथर-पुथल देखी गयी। राज्य विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने लगातार तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। हालांकि नंदीग्राम सीट पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बड़ा उलट-फेर करते हुए नंदीग्राम सीट पर बनर्जी को मात दी। बाद में बनर्जी ने अपने गढ़ भवानीपुर में उपचुनाव में रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की। बंगाल में चुनाव के हुई राजनीतिक हिंसा ने राज्य को हिलाकर रख दिया और चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप भी लगाए गए।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और पश्चिम बंगाल पुलिस का एक विशेष जांच दल (एसआईटी) विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामलों की जांच कर रहा है, जिसमें कई लोग हताहत हुए और मकानों तथा कई इमारतों में आग लगा दी गई थी। मुख्य विपक्षी दल भाजपा की चुनावी रैलियों में उसके लगभग सभी शीर्ष नेताओं ने 'हिंदुत्व' की बात की। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने भगवा पार्टी को रोकने के लिए 'बांग्ला गौरव' का आह्वान किया और 294 सदस्यीय विधानसभा में 213 सीट पर जीत हासिल की। वहीं, भाजपा को 77, निर्दलीय और आईएसएफ के उम्मीदवार को एक-एक सीटें मिली। 'करो या मरो' वाले विधानसभा चुनाव में, 34 साल तक बंगाल पर शासन करने वाला वाम मोर्चा खाता भी नहीं खोल पाया और कांग्रेस के हाथ भी एक सीट भी नहीं आई। बंगाल में बड़ी जीत के बाद जोश से भरी तृणमूल ने त्रिपुरा, मेघालय और गोवा में भी अपनी पार्टी का विस्तार करने की तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव के बाद भी, बंगाल में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच गतिरोध साल भर जारी रहा।

नई सरकार के शपथ ग्रहण करने के एक सप्ताह के भीतर, सीबीआई ने 'नारद स्टिंग ऑपरेशन' मामले में दो मंत्रियों (एक तृणमूल विधायक और पार्टी के एक पूर्व नेता) को गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद पार्टी ने नरेंद्र मोदी नीत केन्द्र सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के लिए केन्द्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राजनीतिक उथर-पुथल के अलावा राज्य को इस साल कोविड-19 के प्रकोप का भी सामना करना पड़ा। राज्य में 28 दिसंबर तक कोविड-19 के 16 लाख से अधिक मामले सामने आए और अभी तक संक्रमण से 19,733 लोगों की मौत हुई है। संक्रमण के बढ़ते मामलों के लिए तृणमूल ने चुनाव आयोग के आठ चरणों में विधानसभा चुनाव कराने के निर्णय को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, प्राकृतिक आपदा से भी राज्य त्रस्त रहा और चक्रवात 'यास' से कई लोगों की मौत हुई और काफी तबाही भी मची। राज्य सरकार और केन्द्र के बीच कटुता तब एक नए स्तर पर पहुंच गई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में चक्रवात 'यास' पर की गई एक समीक्षा बैठक में बनर्जी शामिल नहीं हुई। वहीं, चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की सफलता जारी रही और पार्टी ने कोलकाता नगर निगम चुनाव में 144 वार्ड में से 134 पर जीत हासिल की। राज्य सरकार ने इस साल यूनेस्को से कोलकाता की दुर्गा पूजा को 'अमूर्त विरासत' का दर्जा देने का भी अनुरोध किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 9195 मामले

मार्च 2020 के बाद सबसे ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

28 दिसंबर को भारत में कोरोना संक्रमण के 9195 मामले मिले हैं। कोरोना से रिकवरी रेट 98.4 फीसद है, जो कि मार्च 2020 के बाद सबसे ज्यादा है। कोविड के ओमिक्रोन वैरिएंट के भारत में अब तक 781 मामले रिपोर्ट हुए हैं। इसमें से 241 लोग ठीक हो चुके हैं। ये जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है। 27 दिसंबर को भारत में कोरोना के 6531, 26 दिसंबर को 6987, 25 दिसंबर को 7189 केस रिपोर्ट हुए हैं। ये संक्रमण पहली नजर में बड़ी दिख सकती है लेकिन जब इस दिसंबर के पहले हफ्ते से तुलना की जाती है,तब कुछ और ही तस्वीर दिखती है। भारत में 20 से 26 दिसंबर तक करीब 46 हजार मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि इस संख्या में 49 हजार से गिरावट देखी गई है जो भारत ने 20 दिसंबर से पहले के सप्ताह में देखी थी। देश में नए कोविड केस की संख्या, ओमिक्रेन वैरिएंट के केस और रिकवरी रेट में सुधार का डेटा अलग कहानी कहता है।ओमिक्रेन वैरिएंट को बड़े खतरे के तौर पर बताया जा रहा है लेकिन वास्तव में केस तेजी से नहीं फैल रहे हैं। भारत में कोविड रोगियों की वसूली दर में 6450 का सुधार हुआ है और मौजूदा वक्त में 98.4 फीसद है, जो मार्च 2020 के बाद सबसे अधिक है। यहां तक कि भारत में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या में कम से कम 385 की गिरावट देखी गई है।

भारतीय सेना ने महू में क्वांटम प्रयोगशाला की स्थापना की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय सेना उभरते हुए प्रौद्योगिकी डोमेन के क्षेत्र में स्थिर और महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) के सहयोग से सेना ने हाल ही में प्रौद्योगिकी के प्रमुख विकासशील क्षेत्र में अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए महू (मध्य प्रदेश) के मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग- एमसीटीई में क्वांटम प्रयोगशाला की स्थापना की है। थल सेनाध्यक्ष जनरल एम एम नरवणे को उनकी हाल की महू यात्रा के दौरान इसके बारे में सूचना दी गई थी। भारतीय सेना ने इसी संस्थान में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केंद्र भी स्थापित किया है, जिससे प्रमुख क्षेत्रों में 140 से अधिक नियुक्तियां की गई हैं और इसे उद्योग एवं शिक्षाविदों का सक्रिय सहयोग प्राप्त है। यहां पर अत्याधुनिक साइबर रेंज तथा साइबर सुरक्षा प्रयोगशालाओं के माध्यम से साइबर संघर्ष पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पिछले वर्ष अक्टूबर में विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर आयोजित एक संगोष्ठी में विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम संचालन में सेना की भागीदारी के लिए विचार किया गया था। तब से ही भारतीय सेना के प्रौद्योगिकी संस्थानों को एआई, क्वांटम और साइबर में निवेश करने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। क्वांटम प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय सेना द्वारा किए गए शोध अगली पीढ़ी की संचार व्यवस्था तक तेजी से पहुंचने में मदद करेंगे और भारतीय सशस्त्र बलों में क्रिप्टोग्राफी की वर्तमान प्रणाली को पोस्ट क्वांटम क्रिप्टोग्राफी (पीक्यूसी) में परिवर्तित कर देंगे। क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन, क्वांटम संचार, क्वांटम कंप्यूटिंग और पोस्ट क्वांटम क्रिप्टोग्राफी भविष्य के प्रमुख क्षेत्र हैं।

पहला कॉलम

ग्रामीण क्षेत्रों के 98,454 डाकघरों सहित कुल 1.43 लाख डाकघरों में पोस्टमैन मोबाइल एप लागू

नई दिल्ली ।

डाक विभाग (डीओपी) 150 से अधिक वर्षों से देश के संचार का मजबूत स्तंभ रहा है और इसने देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कई तरह से भारतीय नागरिकों के जीवन से जुड़ा है- जैसे डाक पहुंचाना, छोटी बचत योजनाओं के तहत जमा स्वीकार करना, डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) के तहत जीवन बीमा कवर प्रदान करना और बिल जमा करने, फॉर्मों की बिक्री जैसी खुदरा सेवाएं प्रदान करना। डाक विभाग महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में मजदूरी वितरण और वृद्धावस्था पेंशन भुगतान जैसी अन्य सेवाओं के निर्वहन में भारत सरकार के लिए एक एजेंट के रूप में भी कार्य करता है। डाक विभाग के लिए वर्ष के अंत की समीक्षा वर्ष 2021 में विभाग की विभिन्न पहलों की उपलब्धियों और उनकी प्रगति पर प्रकाश डालती है।

बेंगलुरू हवाईअड्डे पर मिले 20 विदेशी यात्री कोरोना पॉजिटिव

-पेरिस, लंदन, फ्रैंकफर्ट, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत के हैं यात्री

बेंगलुरु।

बेंगलुरू के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (केआईए) पर कम से कम 20 विदेशी यात्रियों में कोरोना की पुष्टि हुई है। इन संक्रमितों में से सात पेरिस, लंदन और फ्रैंकफर्ट से पांच-पांच, और संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत से एक-एक यात्री आए हैं। अंतिम व्यक्ति की राष्ट्रीयता का पता लगाना अभी बाकी है। हवाईअड्डे के अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं क्योंकि अधिकांश संक्रमित यात्री वर्तमान में आइसोलेशन में हैं और उच्च जोखिम वाले देशों से आए हैं। उनके नमूने जीनोम सीक्वेसिंग के लिए भेजे गए हैं। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग ने पूरे कर्नाटक के अस्पतालों में स्थापित ऑक्सीजन संयंत्रों में मॉक ड्रिल शुरू कर दी है। राज्य की 226 ऑक्सीजन इकाइयों में से 192 ऑक्सीजन संयंत्र कार्य कर रहे हैं और इनकी 199 मीट्रिक टन ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता है। तीसरी लहर के मामले में तैयारी सुनिश्चित करने और ऑक्सीजन संयंत्रों में किसी भी तकनीकी या अन्य खराबी की पहचान करने के लिए ड्राई रन आयोजित किया गया है। राज्य सरकार ने सांस फूलने और तेज बुखार के लक्षणों वाले लोगों की पहचान करने और उन्हें कोविड -19 के परीक्षण के लिए घर-घर अभियान भी शुरू किया है। यह अभियान 15 जनवरी तक चलेगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण और इन्फ्लूएंजा जैसे बीमारी के लक्षणों वाले व्यक्तियों की पहचान करेंगे।

कर्नाटक में 3 नाइजीरियन से 80 लाख की ड्रग्स जब्त

-बेंगलुरु में पुलिस ने बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया

बेंगलुरु।

कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को कहा कि उन्होंने बेंगलुरु में एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रैकेट में शामिल तीन नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 80 लाख रुपये की ड्रग्स जब्त करने का दावा किया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने आरोपीयों से एमडीएमए, कोकीन, हशीश जब्त किया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि नए साल के जश्न के दौरान ग्राहकों को बेचने के लिए ड्रग्स की तस्करी बेंगलुरु में की गई थी। केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) की नारकोटिक्स विंग के अधिकारियों ने शहर में नशीली दवाओं के तस्करों की संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी। बेंगलुरु पुलिस थाने की सीमा में आरोपी नाइजीरियाई लोगों की गतिविधियों पर इनपुट इकट्ठा करने के बाद, विशेष अभियान की योजना बनाई गई और उसे अंजाम दिया गया। जांच में पता चला कि आरोपी मुंबई से महंगे साबुन के डिब्बे में ड्रग्स लाकर अपने आवास पर रखते थे। पुलिस ने आवास पर छापेमारी की और 400 ग्राम एमडीएमए, 40 ग्राम कोकीन, 400 ग्राम हशीश, 5 साबुन के बक्सों में छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने मापने के उपकरण और ग्राहकों से संपर्क करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। आरोपी बिजनेस वीजा पर भारत आये थे।

आज हल्द्वानी में 17,500 करोड़ रुपये से अधिक की 23 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे पीएम मोदी

देहरादून (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड के हल्द्वानी में 17,500 करोड़ रुपये से अधिक की 23 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने वाले हैं। 23 परियोजनाओं में से, 14,100 करोड़ रुपये से अधिक की 17 परियोजनाएं सिंचाई, सड़क, आवास, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, उद्योग, स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति सहित राज्य भर में कई क्षेत्रों को कवर करती हैं।प्रधानमंत्री छह परियोजनाओं का उद्घाटन करने वाले हैं, जिसमें कई सड़क चौड़ीकरण परियोजनाएं, पिथौरागढ़ में एक जल विद्युत परियोजना और नैनीताल में सीवरेज नेटवर्क में सुधार की परियोजनाएं शामिल हैं। उद्घाटन हो रही परियोजनाओं की कुल लागत 3,400 करोड़ रुपये से अधिक है। मोदी करीब 5,750 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली लखवार बहुउद्देशीय परियोजना की आधारशिला रखने वाले हैं। यह परियोजना पहली बार 1976 में कल्पना की गई थी और कई वर्षों से लंबित थी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि देश के दूर-दराज के इलाकों में कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए करीब 8,700 करोड़ रुपये की कई सड़क क्षेत्र की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पूरे राज्य में कई सड़क परियोजनाओं की आधारशिला भी प्रधानमंत्री द्वारा रखी जाएगी। परियोजनाओं में 625 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 1,157 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली 133 ग्रामीण सड़कों का निर्माण और लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से 151 पुलों का निर्माण शामिल है। प्रधानमंत्री उधम सिंह नगर जिले में एम्स ऋषिकेश सैटेलाइट सेंटर और पिथौरागढ़ में जगजीवन राम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज की आधारशिला भी रखने वाले है। इन दोनों अस्पतालों को क्रमशः लगभग 500 करोड़ रुपये और 450 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। बेहतर चिकित्सा बुनियादी ढांचे से न केवल कुमाऊं और तराई क्षेत्रों के लोगों को बल्कि उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को भी मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री काशीपुर में 'अरोमा पार्क' और सितारगंज में प्लास्टिक औद्योगिक पार्क और राज्य भर में आवास, स्वच्छता और पेयजल आपूर्ति में कई अन्य पहलों की आधारशिला भी रखने वाले हैं।

बिहार में आ चुकी है कोरोना की तीसरी लहर: सीएम नीतीश

अब हम सभी को तीसरी लहर को लेकर तैयारियों में जुटना है

पटना (एजेंसी)।

देश में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर से बढ़ने लगे हैं। इन सबके बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा बयान दे दिया है। नीतीश कुमार ने कहा है कि राज्य में कोरोना की तीसरी लहर की शुरुआत हो चुकी है। नीतीश कुमार आईएमए के 96वें राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। इस संबोधन में उन्होंने कहा कि बिहार में कोरोना की तीसरी लहर की शुरुआत हो गई है। सोमवार को कोरोना के 47 नए मामले मिले थे। नीतीश कुमार ने इसके साथ ही कोरोना की पहली और दूसरी लहर में डॉक्टरों के योगदान की सराहना भी की। सीएम नीतीश ने कहा कि कोरोना से मुक्ति दिलाने में डॉक्टरों ने अहम भूमिका निभाई है और आगे भी वे निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने डॉक्टर के साथ बैठक की थी और राज्य में हम लोगों ने भी कुछ डॉक्टरों के साथ बैठक की थी। डॉक्टरों से उन्होंने कहा कि आप लोगों ने वैक्सीनेशन पर रिसर्च करके सराहनीय काम किया है। अब हम सभी को तीसरी लहर को लेकर तैयारियों में जुटना है। इसके साथ ही बिहार में कुछ सख्ती लागू कर दी गई है। बिहार सरकार के फैसले के अनुसार 31 दिसंबर से लेकर 2 जनवरी तक के सभी पार्क और चिड़ियाघर बंद रहेंगे ताकि नए साल के जश्न पर भीड़ को रोका जा सके। हालांकि कुछ दिन पहले नीतीश कुमार ने यह भी बताया था कि बिहार में फिलहाल नाइट कर्फ्यू की जरूरत नहीं है। लेकिन गया और पटना एक बार फिर से कोरोना वायरस का हॉटस्पॉट बनता हुआ नजर आ रहा है। पटना में 10 मामले आए हैं तो 17 मामले गया में आए।

कृषि क्षेत्र की प्रगति में कृषि विज्ञान केंद्रों व वैज्ञानिकों की बड़ी भूमिका: मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य- असम, अरूणाचल प्रदेश व सिक्किम में कृषि के विकास में योगदान देने वाले कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अंचल-6), गुवाहाटी के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का लोकार्पण आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। श्री तोमर ने कहा कि देश में कृषि क्षेत्र की प्रगति में कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिनके कारण खाद्यान्न के मामले में दुनिया में भारत आज आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि अधिकांश उपज के उत्पादन में नंबर एक या दो पर है और बेहतर स्थिति में है। मंत्री तोमर ने कहा कि देश में जहां भी केवीके है, वहां कृषि क्षेत्र को उन्नत करने, किसानों की आमदनी बढ़ाने, फसलों के विविधीकरण व बीजों के आविष्कार में उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। इसका परिणाम आज दृष्टिगोचर होता है लेकिन अभी और भी काम करने की आवश्यकता है। अनेक चुनौतियां हैं, जिनका शीघ्रता से समाधान करने में वैज्ञानिकों व केवीके की बड़ी भूमिका है। विभिन्न क्षेत्रों में जलवायु अनुरूप खेती में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने प्रशंसनीय काम किया है। पूर्वोत्तर हमारे देश का प्रमुख क्षेत्र है, जो दुर्गम है लेकिन वहां के लोग, फसलें, जलवायु आदि हमारे लिए एक बड़ी पूंजी है।

सीएम सोरेन का ऐलान-झारखंड में 25 रुपये सस्ता होगा पेट्रोल-डीजल

-इस सस्ते पेट्रोल-डीजल का लाभ सिर्फ बीपीएल कार्ड धारकों को मिलेगा

रांची। मुख्यमंत्री हेमेंत सोरेन ने ऐलान किया है कि राज्य में पेट्रोल और डीजल नए साल में 25 रुपये तक सस्ता मिलेगा। राज्य में पेट्रोल-डीजल के मूल्य में लगातार इजाफा हो रहा है, इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित हैं। ऐसे में सरकार ने पेट्रोल पर प्रति लीटर 25 रुपये राहत देने का फैसला लिया है। लेकिन इस सस्ते पेट्रोल-डीजल का लाभ सिर्फ बीपीएल कार्ड धारकों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी से झारखंड में बीपीएल कार्ड धारकों को पेट्रोल और डीजल 25 रुपये सस्ता मिलेगा। झारखंड पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन भी कई दिनों से पेट्रोल-डीजल पर वैट की दरें घटाने की मांग कर रहा था। एसोसिएशन सरकार से पेट्रोल पर 5 प्रतिशत वैट घटाने की मांग कर रहा था। उनका कहना है कि अगर सरकार वैट की दर 22 फीसदी से घटाकर 17 फीसदी कर दे तो लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। एसोसिएशन के अनुसार झारखंड के पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में डीजल की कीमत कम है। ऐसे में झारखंड से चलने वाले वाहन पड़ोसी राज्यों से डीजल भरवा रहे हैं, जिसके कारण उन्हें काफी नुकसान हो रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सिंह का कहना है कि पेट्रोलियम डीलरों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चिट्ठी लिखी थी और वित्त मंत्री से मुलाकात भी की थी। अशोक ने बताया कि वित्त मंत्री से मुलाकात कर उन्हें इस संबंध में ज्ञापन सौंपा था, लेकिन उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया। उन्होंने बताया था कि झारखंड में 1350 पेट्रोल पंप हैं, यहां करीब 2150 लाख से अधिक परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। वैट की उच्च दरों के कारण व्यवसाय प्रभावित हो रहा है।

कश्मीर में कड़ाके की ठंड, गुलमर्ग में तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंचा

श्रीनगर । कश्मीर में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है।पर्यटकों के बीच खूबसूरती के लिए विख्यात गुलमर्ग में मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। कश्मीर घाटी मंगलवार से 'चिल्लई-कलां की गिरफ्त में है। यह 40 दिन की अवधि होती है और इस दौरान हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ती है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग में तापमान शून्य से 10.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जबकि पिछली रात यह शून्य से 9.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर के रूप में उपयोग में आने वाले पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.6 डिग्री नीचे रहा, जबकि पिछली रात यह शून्य से 7.9 डिग्री सेल्सियस नीचे था। वहीं, श्रीनगर में तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। काजीगुंड में तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं दक्षिणी कोकरनाग में तापमान शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

मालेगांव विस्फोट मामले में कांग्रेस मांगे देश से माफी: योगी

लखनऊ (एजेंसी)।

सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को फर्रूखाबाद व अमरोहा में हो रही जनसभाओं के दौरान कांग्रेस पर खिन्न दिखे। उन्होने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश के अन्दर बड़े काल तक शासन किया लेकिन किस रूप में शासन कर रही थी यह किसी से नहीं छिपा है। उन्हाने महाराष्ट्र एटीएस के बयान का जिक्र करते हुए कांग्रेस को देश की जनता से माफी मांगने के लिए कहा। दरअसल मालेगांव विस्फोट कांड के एक गवाह ने विशेष एनआइए अदालत को बताया है कि महाराष्ट्र एटीएस ने उस पर योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चार नेताओं को फंसाने का दबाव डाला था। मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह उस समय एटीएस के अतिरिक्त आयुक्त के पद पर तैनात थे। उल्लेखनीय है कि 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव में एक मोटरसाइकिल में हुए विस्फोट में छह लोग मारे गए थे तथा 100 से अधिक घायल हुए थे। इस मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस को सौंपी गई थी। एटीएस ने इस मामले में भोपाल की वर्तमान सांसद साध्वी प्रज्ञा, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित, समीर कुलकर्णी, अजय राहिलकर, रमेश उपाध्याय, सुधाकर द्विवेदी एवं सुधाकर चतुर्वेदी को आरोपित बनाया था। इन सभी पर हत्या, हत्या के प्रयास सहित आतंकवाद की कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच एनआइए के हाथ में आने के बाद अब तक उनमें से 15 गवाह अपने बयानों से मुकर चुके हैं। आरोपित साध्वी प्रज्ञा भी कई बार कह चुकी हैं कि एटीएस की हिरासत में उन पर असहनीय जुल्म किए गए। इस पर यूपी सीएम ने कहा उस समय कैसे भाजपा कार्यकर्ताओं को, नेताओं को, आरएसएस और हिंदू नेताओं को ये लोग झूठे मुकदमे में फंसा रहे थे। आपने मालेगांव विस्फोट मामले में यह देखा होगा। कांग्रेस की यह शरारत देश के खिलाफ एक अपराध है और कांग्रेस के लोगों को इसके लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईलः-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com